संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

# शहर समता

वर्ष-21 अंक- 289
पृष्ठ 8
शुक्रवार
11 जुलाई 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- फेस पर एक्स्ट्रा ऑयल हटाने के...

विचार- विवादास्पद चार श्रम संहिताओं के...

खेल- भारत ने चौथे टी20 में इंग्लैंड...

**योगी का गुरु पूर्णिमा पर जनता दर्शन में बड़ा ऐलान**

## जमीन हो या बीमारी, हर दर्द का मिलेगा इलाज,कोई पीछे नहीं रहेगा

गोरखपुर, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार को गुरु पूर्णिमा पर्व पर आनुष्ठानिक कार्यक्रम की व्यस्तता के बावजूद जनता दर्शन का आयोजन किया। उन्होंने लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर व्यक्ति की समस्या का निस्तारण उनकी सरकार की विशेष प्राथमिकता है, इसलिए पीड़ितों की समस्याओं को गंभीरता और संवेदनशीलता से लेते हुए उनका समाधान तुरंत और संतुष्टिपरक तरीके से कराना सुनिश्चित कराएं। मिली जानकारी के मुताबिक, गुरुवार सुबह गुरु पूर्णिमा पूजन के बाद

गोरखनाथ मंदिर में जनता दर्शन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। मंदिर परिसर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन सभागार में कुर्सियों पर बैठाए गए लोगों तक मुख्यमंत्री खुद गए और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। सबको आश्वस्त किया कि किसी को भी घबराने करने की आवश्यकता नहीं है, सबकी समस्या का समाधान हरहाल में किया जाएगा। बताया जा रहा है कि जनता दर्शन में कुछ महिलाएं जमीन से जुड़े विवादों में प्रार्थना पत्र

**● सीएम योगी ने खुद जनता के बीच जाकर सुनीं 200 से ज्यादा लोगों की समस्याएं**

लेकर पहुंची थीं। कुछ की शिकायत थी कि उनकी जमीनों पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। इन शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। कहा कि जमीनी विवादों का समाधान तत्परतापूर्वक इस तरह होना चाहिए जिससे पीड़ित व्यक्ति संतुष्ट दिखे। प्रार्थना पत्रों को उन्होंने अधिकारियों को हस्तगत करते हुए निर्देश दिया कि हर समस्या का निस्तारण त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे लोगों को योगी ने आश्वस्त किया कि पैसे की तंगी से किसी का भी इलाज नहीं रुकने दिया जाएगा। उन्होंने प्रशासन को निर्देश दिया कि संबंधित मरीज के इलाज संबंधी इस्टीमेट की प्रक्रिया को पूर्ण कर इसे जल्द से जल्द शासन को उपलब्ध कराया जाए। इस्टीमेट मिलते ही इलाज के लिए धन अवमुक्त हो जाएगा। जनता दर्शन के दौरान कुछ महिलाओं संग पहुंचे उनके बच्चों को मुख्यमंत्री ने प्यार–दुलार और आशीर्वाद देते हुए चॉकलेट दिया।

**पीएम मोदी ने राजनाथ सिंह को दी जन्मदिन की बधाई, कहा-**

## देश के रक्षा क्षेत्र को बना रहे आत्मनिर्भर

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जन्मदिन की बधाई दी। इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा कि देश के रक्षा क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने का उनका प्रयास सराहनीय है। उन्होंने अपने परिश्रमी स्वभाव और बुद्धिमत्ता से अपनी अलग पहचान बनाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में मेरे सहयोगी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जन्मदिन पर हार्दिक शुभकामनाएं। उन्होंने अपनी मेहनती प्रकृति और बुद्धिमत्ता से अपनी अलग पहचान बनाई है। भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने और हमारे सशस्त्र बलों को मज़बूत करने के उनके प्रयास सराहनीय हैं। मैं उनके दीर्घायु और स्वस्थ जीवन की कामना करता हूं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने भी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल में मेरे सहयोगी रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और मंगलमय जीवन की कामना करता हूं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सिंह को बधाई दी। उन्होंने कहा कि वह देश की सैन्य शक्ति को मजबूत करने और रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। गृह मंत्री ने एक्स पर लिखा कि केंद्रीय रक्षा मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता राजनाथ सिंह को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। मोदी जी के नेतृत्व में आप देश की सैन्य शक्ति को निरंतर सुदृढ़ करने और रक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने में सराहनीय कार्य कर रहे हैं। संगठन से लेकर सरकार तक, आपने सभी दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया है और सामाजिक जीवन जीने वालों को प्रेरणा दी है। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की कामना करता हूं।

## मणिपुर में बेघर लोगों के लिए घर बनाने का टेंडर नहीं निकला, कांग्रेस ने आरोप के साथ जांच की मांग की

इंफाल, एजेंसी। मणिपुर में विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बेघर लोगों के लिए बनाए जा रहे प्री–फैब्रिकेटेड (तैयार ढांचे वाले) घरों के निर्माण में कोई टेंडर (निविदा) नहीं निकाली गई। कांग्रेस ने इस मामले की पूरी जांच कराने की मांग की है। राज्य कांग्रेस अध्यक्ष केशम मेघचंद्र ने बुधवार को विष्णुपुर जिले में दो निर्माण स्थलों का दौरा किया। उन्होंने कहा कि इन दोनों जगहों पर बिना किसी सरकारी आदेश या टेंडर के ही निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने आरोप लगाया, 'यह काम आधिकारिक रूप से नहीं हो रहा है। हम मांग कर रहे हैं कि जांच की जाए

कि बिना टेंडर के ये घर कैसे बनाए जा रहे हैं। इससे साफ पता चलता है कि सैकड़ों करोड़ रुपये की गड़बड़ी हो रही है।' केशम मेघचंद्र, जो वांगखेम विधानसभा सीट से विधायक भी हैं, ने कहा कि राज्य और केंद्र सरकार दोनों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विस्थापित लोगों को जो भी आर्थिक सहायता दी जा रही है, वह सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाए। किसी बिचौलिये के जरिए पैसे न दिए जाएं। उन्होंने यह भी मांग की कि सरकार एक तय समयसीमा घोषित करे, जिसके भीतर सभी विस्थापित लोगों को उनके मूल घरों में सुरक्षित वापसी कराई जा सके। इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस नेता ने राज्यपाल अजय कुमार भल्ला को एक ज्ञापन भी सौंपा है। मणिपुर में जातीय हिंसा के बाद हजारों लोग बेघर हो गए थे। इनके लिए सरकार ने कई जिलों में अस्थायी प्री–फैब्रिकेटेड घर बनवाने की योजना शुरू की है, लेकिन कांग्रेस अब इस योजना में पारदर्शिता की कमी का आरोप लगा रही है।

## हैदराबाद ताड़ी कांड: हैदराबाद में मिलावटी ताड़ी पीने से चार की मौत, 37 अस्पताल में भर्ती, जांच में जुटी पुलिस

तेलंगाना, एजेंसी। हैदराबाद में मिलावटी ताड़ी पीने से एक के बाद एक लोगों की तबीयत बिगड़ने की घटनाएं सामने आई हैं. अब तक इस मामले में 4 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 37 लोग अलग–अलग अस्पतालों में भर्ती हैं. शुरुआती जांच में शक जताया गया है कि ताड़ी में मिलावट की गई थी. पुलिस ने चार संदिग्ध मौतों का केस दर्ज किया है और पूरी घटना की जांच के लिए सबूत जुटाए जा रहे हैं। सरकारी जानकारी के मुताबिक, जिन लोगों की तबीयत बिगड़ी है, उन्होंने छह जुलाई और आठ जुलाई को हैदराबाद के कुकटपल्ली, बालानगर और आस–पास के इलाकों में ताड़ी पी थी. इसके बाद इन्हें उल्टी–दस्त और पेट दर्द की शिकायत हुई. कई लोगों की हालत इतनी खराब हो गई कि उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाना पड़ा. पहले इन्हें सामान्य लक्षण समझकर भर्ती किया गया, लेकिन जब संख्या बढ़ी तो मामला गंभीर हो गया। हैदराबाद के निज़ाम्स इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में अब तक 31 मरीज भर्ती हैं, वहीं 6 अन्य अलग–अलग अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं. डॉक्टरों के अनुसार, अधिकतर मरीजों को तेज पेट संक्रमण की समस्या हुई है. कई मरीजों की हालत नाजुक बताई जा रही है, जिन्हें आईसीयू में रखा गया है. स्वास्थ्य विभाग स्थिति पर नजर बनाए हुए है। साइबराबाद पुलिस का कहना है कि उन्होंने चार संदिग्ध मौतों के मामले दर्ज किए हैं, लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि मौत का कारण सिर्फ ताड़ी ही है या कुछ और. शवों का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है।

## सुप्रीम कोर्ट निमिषा की फांसी पर रोक की याचिका पर 14 जुलाई को करेगा सुनवाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। उच्चतम न्यायालय हत्या के एक मामले में केरल निवासी नर्स निमिषा प्रिया की यमन में 16 जुलाई को निर्धारित फांसी की सजा पर रोक और उसकी रिहाई के लिए केंद्र सरकार को कूटनीतिक प्रयास करने का निर्देश देने की मांग संबंधी एक याचिका पर 14 जुलाई को सुनवाई करेगी। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की आंशिक कार्य दिवस पीठ ने 'सेव निमिषा प्रिया एक्शन काउंसिल' नामक एक संगठन की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता रागेंथ बसंत के शीघ्र सुनवाई के अनुरोध के बाद संबंधित याचिका को (14 जुलाई के लिए) सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। अधिवक्ता बसंत ने 'विशेष उल्लेख' के दौरान अदालत से यह अनुरोध किया था। वरिष्ठ अधिवक्ता ने पीठ के समक्ष दलील दी कि शरीयत कानून के अनुसार, अगर पीड़ितों के रिश्तेदार 'खूंबहा' स्वीकार करने को तैयार हों, तो किसी व्यक्ति को रिहा किया जा सकता है। खूंबहा का मतलब है कि पीड़ित परिवार को मुआवजे का प्रस्ताव दिया जाये और वे इसे लेने को तैयार हों तो अभियुक्त की सजा माफ की जा सकती है। कई अरब मुल्कों में ऐसा कानून लागू है। उन्होंने आग्रह करते हुए अदालत के समक्ष कहा, "कृपया आज या कल सूचीबद्ध करें, क्योंकि 16 जुलाई फांसी की तारीख है। राजनयिक माध्यम से बातचीत के लिए भी समय की आवश्यकता होती है।" याचिका में फांसी पर रोक और रिहाई के लिए भारत सरकार से कूटनीतिक बातचीत के जरिए प्रयास करने की गुहार लगायी गयी है। पीठ की ओर से न्यायमूर्ति धूलिया ने अधिवक्ता से पूछा कि उस व्यक्ति को मौत की सजा क्यों सुनाई गयी। इस पर श्री बसंत ने जवाब दिया, " निमिषा (नर्स) केरल की रहने वाली एक भारतीय नागरिक है। वह वहाँ नर्स की नौकरी के लिए गयी थी। स्थानीय व्यक्ति ने उसे प्रताड़ित करना शुरू किया और उसकी (यमन के एक व्यक्ति) हत्या कर दी गयी। " निमिषा को वर्ष 2017 में यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी की हत्या का दोषी पाए जाने के बाद मौत की सज़ा सुनाई गयी थी। निमिषा ने कथित तौर पर अपने पासपोर्ट को वापस पाने के लिए महदी को बेहोशी का इंजेक्शन दिया था।

## फडणवीस ने किया मुंबई सिंदूर फ्लाईओवर उद्घाटन

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने गुरुवार को दक्षिण मुंबई में पुनर्निर्मित मुंबई सिंदूर फ्लाईओवर का उद्घाटन किया। फ्लाईओवर के उद्घाटन के अवसर पर श्री फडणवीस के साथ महाराष्ट्र विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर भी मौजूद थे। यह फ्लाईओवर वाहनों के लिए आज अपराह्न तीन बजे खोला जायेगा। यह फ्लाईओवर दक्षिण मुंबई में पूर्व–पश्चिम यातायात को सुगम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यह नया पुल 150 साल पुराने कर्नाक पुल की जगह लेगा, जिसे मध्य रेलवे द्वारा असुरक्षित घोषित किए जाने के बाद अगस्त 2022 में ध्वस्त कर दिया गया था। यह छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मस्जिद बंदर और मोहम्मद अली रोड क्षेत्रों के बीच एक महत्वपूर्ण संपर्क मार्ग की यात्रा को सुगम बनाता है। कार्नाक ब्रिज का नाम बदलकर सिंदूर फ्लाईओवर करने का निर्णय पाकिस्तान में आतंकवादी शिविरों पर भारत के सफल सैन्य हमलों के बाद लिया गया था।

## सीएम रेखा गुप्ता का दावा, भारी बारिश के बाद भी दिल्ली में नहीं हुआ कोई जलभराव

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को दावा किया कि बुधवार रात से दिल्ली–एनसीआर में हुई भारी बारिश के बाद राष्ट्रीय राजधानी में कोई जलभराव नहीं हुआ। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि हम दिल्ली के पिछले 27 सालों के लंबित मामलों को एक–एक करके सुलझा रहे हैं। इतनी भारी बारिश के बाद भी दिल्ली में जलभराव नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि मिंटो ब्रिज पर जलभराव नहीं हुआ, जो हर मानसून में मीडिया की सुर्खियां बनता था। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से कहा कि अखबारों में पानी से भरे मिंटो ब्रिज की तस्वीर छपना एक चलन था। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने आगे कहा कि अगले मानसून तक दिल्ली की स्थिति और भी बेहतर हो जाएगी। इस बीच, दिल्ली में बुधवार से

लगातार बारिश हो रही है, जिससे उत्तम नगर के बिंदापुर समेत कई इलाकों में जलभराव हो गया है, जहाँ सड़कें पानी में डूबी हुई हैं। भारी बारिश के बाद राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में यातायात भी ठप हो गया। आम आदमी पार्टी (आप) के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने एक्स पर जलभराव वाली सड़कों की तस्वीरें साझा कीं और भाजपा पर चारों इंजन के बावजूद बाढ़ से निपटने में बार–बार विफल रहने का आरोप लगाया। लुटियंस दिल्ली में जलभराव की तस्वीरें शेयर करते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा, ये लुटियंस दिल्ली है। सिर्फ़ एक घंटे की बारिश में, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण मंत्री प्रवेश वर्मा के सरकारी आवास के पास सड़क का ये हाल है। भाजपा के असफल वादों की निंदा करते हुए भारद्वाज ने कहा कि भाजपा की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा और अन्य मंत्रियों व नेताओं ने बड़े–बड़े दावे किए थे कि इस साल दिल्ली नहीं डूबेगी। उन्होंने कहा था कि जलभराव रोकने के लिए सभी ज़रूरी तैयारियाँ कर ली गई हैं। अगर सब कुछ ठीक था, तो सिर्फ़ एक घंटे की बारिश में दिल्ली में बाढ़ क्यों आ गई?

## भाजपा नेतृत्व और सरकार उदासीनता की सारी हदें पार कर चुके हैं : खरगे

वडोदरा, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने गुजरात के वडोदरा में एक पुल ढहने की घटना का हवाला देते हुए बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि सिर्फ भाषण और विज्ञापनबाज़ी में व्यस्त भाजपा नेतृत्व और सरकार उदासीनता की सारी हदें पार कर चुके हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि यह नेतृत्व संकट, चौतरफ़ा भ्रष्टाचार और सरकार चलाने की क्षमता में कमी का नतीजा है। अधिकारियों ने बताया कि वडोदरा में बुधवार सुबह लगभग चार दशक पुराने एक पुल का कुछ हिस्सा ढह जाने के कारण 13 लोगों की मौत हो गई। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, देश में आए दिन दुर्घटनाएँ आम बात हो गई हैं। कभी रेल दुर्घटना, कहीं उद्घाटन के साथ ही पुल में दरार आना। अभी विमान दुर्घटना के हादसे से देश उबर नहीं पाया है कि कल गुजरात से पुल ढहने की खबर आ गई। 13 मासूम जानें चली गई। उन्होंने पीड़ितों के परिजन के प्रति संवेदना प्रकट की। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ख़बरों के अनुसार तीन साल पहले ही पुल हिलने से खतरनाक स्थिति की बात कही

गई थी। फिर भी कुछ नहीं किया गया। 2021 से यह गुजरात में पुल गिरने की सातवीं घटना है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूरे देश में शासन के नाम पर केवल भाषण और विज्ञापनबाज़ी में व्यस्त भाजपा नेतृत्व और सरकार उदासीनता की सारी हदें पार कर चुके हैं। खरगे ने दावा किया कि यह नेतृत्व संकट, चौतरफ़ा भ्रष्टाचार और सरकार चलाने की क्षमता में कमी, और अक्षमता का नतीजा है। उन्होंने कहा, उम्मीद है देश की जनता इसे देख रही है और समय आने पर इसका माकूल जवाब देगी।

## भारतीय ज्ञान को दरकिनार कर पश्चिमी अवधारणाओं को सार्वभौमिक सत्य बताया गया : धनखड़

नई दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने भारतीय ज्ञान प्रणाली को योजनाबद्ध ढंग से दरकिनार किए जाने तथा पश्चिमी अवधारणाओं को सार्वभौमिक सत्य के रूप में प्रस्तुत करने की आलोचना करते हुए कहा है कि यह मिटाने,नष्ट करने तथा विकृत करने की योजना के तहत किया गया और दुखद बात यह है कि आजादी के बाद भी यह सिलसिला चलता रहा। श्री धनखड़ ने गुरूवार को यहां भारतीय ज्ञान प्रणाली पर पहले वार्षिक सम्मेलन में औपनिवेशिक मानसिकता से परे भारत की पहचान को पुनः स्थापित करते हुए कहा कि भारत केवल 20वीं सदी के मध्य में बना राजनीतिक राष्ट्र नहीं है, बल्कि यह चेतना, जिज्ञासा और ज्ञान की प्रवाहित नदी के रूप में एक सतत सभ्यता है। उन्होंने कहा कि भारतीय विचारों को केवल आदिम और पिछड़ेपन का प्रतीक मानकर खारिज करना

केवल एक व्याख्यात्मक भूल नहीं थी। यह मिटाने, नष्ट करने और विकृत करने की योजना थी। इससे भी अधिक दुखद यह है कि स्वतंत्रता के बाद भी यह चलता रहा। उन्होंने कहा कि पश्चिमी अवधारणाओं को सार्वभौमिक सत्य के रूप में प्रस्तुत किया गया। साफ़ शब्दों में कहें तो असत्य को सत्य के रूप में सजाया गया। उन्होंने सवाल किया,"जो हमारी बुनियादी प्राथमिकता होनी चाहिए थी, वह तो विचार के दायरे में भी नहीं थी। हम अपनी मूल मान्यताओं को कैसे भूल सकते हैं?" श्री धनखड़ ने कहा , "भारत का वैश्विक शक्ति के रूप में उदय उसकी बौद्धिक और सांस्कृतिक गरिमा के उत्थान के साथ होना चाहिए। यह अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि ऐसा उदय ही टिकाऊ होता है और हमारी परंपराओं के अनुकूल होता है। एक राष्ट्र की शक्ति उसकी सोच की मौलिकता, मूल्यों की सामयिकता और बौद्धिक परंपरा की दृढ़ता में निहित होती है। यही सॉफ्ट पावर (सांस्कृतिक प्रभाव) है जो दीर्घकालिक होता है और आज के विश्व में अत्यंत प्रभावशाली है।" भारत की बौद्धिक यात्रा में ऐतिहासिक व्यवधानों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा,"इस्लामी आक्रमण ने भारतीय विद्या परंपरा में पहला व्यवधान डाला, जहां समावेशन की बजाय तिरस्कार और विध्वंस का मार्ग अपनाया गया। ब्रिटिश उपनिवेशवाद दूसरा व्यवधान लेकर आया जिसमें भारतीय ज्ञान प्रणाली को पंगु बना दिया गया, उसकी दिशा बदल दी गई। विद्या के केंद्रों का उद्देश्य बदल गया, दिशा भ्रमित हो गई। ऋषियों की भूमि बाबुओं की भूमि बन गई। ईस्ट इंडिया कंपनी को 'ब्राउन बाबू' चाहिए थे जबकि राष्ट्र को विचारकों की जरूरत होती है।" उन्होंने कहा, "हमने सोचना, चिंतन करना, लेखन और दर्शन छोड़ दिया। हमने रटना, दोहराना और निगलना शुरू कर दिया।

## सपा विधायक जाहिद बेग की पत्नी सीमा बेग को हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत, नौकरानी की मौत का मामला

प्रयागराज। भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग की पत्नी सीमा बेग को इलाहाबाद हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई है। न्यायमूर्ति समीर जैन ने सीमा बेग की अग्रिम जमानत अर्जी को स्वीकार कर लिया। भदोही के सपा विधायक जाहिद बेग की पत्नी सीमा बेग को इलाहाबाद हाईकोर्ट से अग्रिम जमानत मिल गई है। न्यायमूर्ति समीर जैन ने सीमा बेग की अग्रिम जमानत

अर्जी को स्वीकार कर लिया। भदोही के सपा विधायक जाहिद जमाल बेग, बेटा जाइम बेग और पत्नी सीमा बेग के खिलाफ नौकरानी के मौत के मामले में मुकदमा दर्ज कराया गया था। सीमा बेग फिलहाल फरार चल रही हैं। उन्होंने अपने अधिवक्ता के माध्यम से अग्रिम जमानत के लिए याचिका दायर की थी।

दो दिन पहले सुनवाई करते हुए कोर्ट ने फैसला को सुरक्षित रख लिया था। बृहस्पतिवार को अग्रिम जमानत अर्जी को स्वीकार कर लिया। भदोही के मालिकाना मोहल्ला स्थित सपा विधायक के आवास पर आठ सितंबर 2024 को 17 वर्षीय नौकरानी फंदा लगाकर जान दे दी थी। 10 सितंबर 2024 को भदोही के जिलाधिकरी के निर्देश पर श्रम विभाग, सीडब्ल्यूसी और महिला कल्याण विभाग की टीम ने विधायक के आवास पर छापा मारा था। कार्रवाई के दौरान विधायक के आवास से एक नाबालिग नौकरानी मुक्त कराई गई थी। मामले में सपा विधायक, उनकी पत्नी सीमा बेग और बेटे जाइम बेग के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

## जंक्शन पर रेलकर्मी की हत्या के बाद मानसिक विक्षिप्त युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान

प्रयागराज। जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर सात–आठ पर मंगलवार रात सनसनीखेज वारदात हुई। एक मानसिक विक्षिप्त व्यक्ति ने ड्यूटी पर तैनात रेलकर्मी अमित कुमार पटेल (25) के सिर पर रॉड मारकर उनकी हत्या कर दी। जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर सात–आठ पर मंगलवार रात सनसनीखेज वारदात हुई। एक मानसिक विक्षिप्त व्यक्ति ने ड्यूटी पर तैनात रेलकर्मी अमित कुमार पटेल (25) के सिर पर रॉड मारकर उनकी हत्या कर दी। बीच–बचाव करने पहुंचे आरपीएफ जवान पर भी उसने हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इसके बाद हमलावर ने खुद ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी। खबर लिखे

जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी। घटना रात करीब 9.20 बजे की है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक प्लेटफॉर्म नंबर सात–आठ पर आउटर की ओर से एक अज्ञात व्यक्ति हाथ में लोहे की रॉड लेकर आया। वहां पहुंचते ही उसने प्लेटफॉर्म पर बैठकर किसी से फोन पर बात कर रहे उत्तर मध्य रेलवे के कैरेज एंड वैगन विभाग में कार्यरत मैकेनिकल हेल्पर अमित कुमार पटेल पर हमला कर दिया। उसने अमित के सिर पर रॉड से ताबड़तोड़ वार किए जिससे अमित लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़े। कुछ देर बाद उनकी मौत हो गई। मौके पर मौजूद आरपीएफ जवान माधव सिंह ने हमलावर को रोकने की कोशिश की लेकिन उसने उन पर भी हमला कर दिया। सिर पर गंभीर चोट लगने से माधव सिंह घायल हो गए। वारदात के बाद प्लेटफॉर्म पर अफरातफरी मच गई। यात्री चीखते–चिल्लाते हुए इधर–उधर भागने लगे। इसी बीच हमलावर युवक प्लेटफॉर्म पर आ रही पूर्वा एक्सप्रेस के सामने कूद गया। ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर जीआरपी और आरपीएफ अधिकारी मौके पर पहुंचे।

## गुरु पूर्णिमा परमात्मा का द्वार खोलने की कुंजी है - ओमानन्द महाराज

मोरना। पौराणिक तीर्थनगरी शुकतीर्थ में गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व धूमधाम से मनाया गया। नगरी के विभिन्न आश्रमों में शिष्यों ने अपने–अपने गुरुदेव की पूजा अर्चना कर चरणामृत लिया और विशाल भंडारे का आयोजन हुआ। शुकतीर्थ में गुरू पूर्णिमा के अवसर पर श्रद्धालुओं ने हनुमद्धाम, गणेश धाम, शिव धाम, दुर्गा धाम, मां पीतांबरा धाम, श्री गंगा मंदिर, दंडी आश्रम, अखंड धाम, मानव निर्माण योग आश्रम, तिलकधारी आश्रम, महाशक्ति सिद्धपीठ आदि मंदिरों में पूजा अर्चना कर शिष्यों ने

अपने–अपने गुरुओं के दर्शन कर पूजा अर्चना की। गुरु पूर्णिमा पर्व पर भागवत पीठ श्री शुकदेव आश्रम स्थित समाधि मंदिर में पीठाधीश्वर स्वामी ओमानंद महाराज ने तीर्थ के जीर्णोद्धारक, शिक्षा ऋषि स्वामी कल्याणदेव महाराज की चरण पादुकाओं का अभिषेक पूजन किया। वीतराग संत की प्रतिमा पर भक्तों ने पुष्पमाला पहनाकर पूजन आरती की। राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल सहित हजारों भक्तो, अनुयायियों, आचार्यों, पुरोहितों, ब्रह्मचारियों ने स्वामी ओमानंद महाराज पर पुष्प वर्षा और माला अर्पण कर चरण वंदना की। पीठाधीश्वर ने सभी को प्रसाद एवं आशीर्वाद प्रदान किया। स्वामी ओमानंद महाराज ने कहा कि गुरु परमात्मा के द्वार खोलने की कुंजी तथा भगवद् धाम की सीढ़ी है। गुरू चरणों में शीश नवाने से अहंकार नष्ट होता है।

# ओवरफ्लो है नाला-नाली, गलियों में गंदगी उतराई

प्रयागराज। छोटा बघाड़ा में चोक नाला–नालियां मुसीबत बनी हैं। गलियों में गंदा पानी भर गया है, कीचड़ और गंदगी के बीच से लोग आ–जा रहे हैं। तीन दिन पहले तेज बारिश होने पर गंदा पानी घरों में चला आया था जो अब भी दरवाजों पर लगा है। लगातार शिकायत के बावजूद जिम्मेदार समस्या का समाधान नहीं करा रहे हैं जिससे लोगों की परेशानी बढ़ती जा रही है। इस गंदगी के चलते बीमारियां फैलने के पूरे आसार हैं। पता चला कि इस समस्या से सर्वाधिक प्रभावित सिकंदर गली के लोग हैं, जिन्होंने इस समस्या के प्रति नगर निगम के जिम्मेदारों की उदासीनता पर नाराजगी जताई और अपनी परेशानी के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया।

लोगों का साफ तौर पर कहना है कि लगातार शिकायत के बावजूद जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं जिससे समस्या का निदान नहीं हो पा रहा है। बारिश आते ही छोटा बघाड़ा के लोगों की परेशानी भी बढ़ गई है। जाम नाला–नालियों के कारण जल निकासी बाधित हो गई है और गंदा पानी गलियों में जमा हो रहा है। कीचड़ और गंदे पानी के बीच से निकलने के लिए लोगों ने कुछ–कुछ दूरी पर ईंट बिछा रखी है। जिस पर चलते समय असंतुलित होने पर कुछ लोग कीचड़ में गिर भी जा रहे हैं। समस्या से पचास से अधिक घरों के करीब तीन सौ लोग प्रभावित हैं। तीन दिन पूर्व हुई बारिश ने यहां के लोगों की परेशानी और बढ़ा दी। ढाल और नाला चोक होने के कारण गंदा पानी घरों में घुस गया जिससे गृहस्थी के सामान खराब हो गए। तीन दिन बीत चुके हैं लेकिन पानी गली से नहीं निकला है। गंदगी और बदबू के कारण जीना मुहाल हो गया है। लम्बे समय से चली आ रही इस समस्या की लगातार शिकायत के बावजूद नगर निगम के समाधान न किए जाने से लोगों में काफी नाराजगी है। यहां के बाशिंदों ने बताया कि कच्ची गली में बड़े–बड़े गड्ढे थे जिसे लोगों ने खुद पाट कर आने जाने का मार्ग बनाया। घर के सामने नालियां भी खुद बनाई है लेकिन आगे नाला जाम होने से पानी नालियों से नहीं निकल पा रहा है और गलियों में फैल

रहा है। लम्बे समय से चली आ रही इस समस्या की स्थानीय लोगों ने समय–समय पर नगर निगम के उच्चाधिकारियों से शिकायत की लेकिन जिम्मेदारों ने समाधान करने की बजाय इसे नजरअंदाज किया। नतीजा यह हुआ कि बारिश होते ही गंदा पानी लोगों के घरों में चला और लोग घरों में कैद होकर रह गए।एक तरफ जहां गंदगी और बदबू के कारण लोगों का जीना मुहाल है वहीं मच्छरों की बढ़ती तादात भी परेशानी पैदा कर रही है। लोगों ने बताया कि पिछली बारिश में कई लोग डेंगू, मलेरिया आदि मच्छर जनित रोगों की चपेट में आ गए थे । आजाद नगर नाला चोक होने से हो रही समस्या छोटा बघाड़ा की सिकंदर गली काफी ढलान पर है। बस्ती का सारा पानी यहीं से होकर आगे आजाद नगर नाले में गिरता है। यह मुख्य नाला कहा जाता है जो बक्सी बांध सब्जी मंडी से लगा हुआ है। स्थानीय लोगों ने बताया कि नाले को सब्जी मंडी के कूड़े से पाट दिया गया है, जिससे नाला चोक हो गया है। सिकंदर गली के आगे नाले का वजूद ही समाप्त हो गया है। कूड़े से पटे नाले में सरपत उग आई है और पानी की निकासी बिल्कुल बंद है। बारिश होने पर पूरी बस्ती का पानी यहां चला आता है जो आगे नहीं निकल पाता जिससे गलियों में पानी भर जाता है। गली को है इंटरलाकिंग की दरकार सिकंदर गली की हालत बेहद दयनीय है, हालत ऐसी है कि लोग किसी तरह जुगाड़ कर आ जा रहे हैं। कच्ची गली पूरी तरह से उबड़ खाबड़ है जिसमें बड़े–बड़े गड्ढे हैं। स्ट्रीट लाइट न जलने से गली में अंधेरा रहता है और लोग अंधेरे में गिरकर चोटिल होते हैं। लोग काफी दिनों से गली में इंटरलाकिंग कराने की मांग कर रहे हैं लेकिन जिम्मेदार इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है। गली की दोनों तरफ पक्की नालियों का निर्माण कर इंटरलाकिंग किए जाने की यहा सख्त जरूरत बताई जा रही है। अगर गली में इंटरलाकिंग करा कर नालियां बना दी जाएं तो लोगों को काफी राहत होगी। खलती है सीवर लाइन की कमी लोगों ने बताया कि यहां सीवर लाइन की मांग लम्बे समय से की जा रही है लेकिन नगर निगम के जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। लोगों में इस बात को भी ले कर काफी नाराजगी है कि आसपास के इलाके जहां सीवर लाइनों से जुड़ गए हैं वहीं यहां अब तक सीवर लाइन तक नहीं बिछ पाई है। पूरे इलाके में सीवर लाइने बिछा कर अगर नालियों को सीवर एवं नाले से जोड़ दिया जाए तो पानी आसानी से निकल जाएगा और जल निकासी की समस्या नहीं होने पाएगी।

शिकायतें –आजाद नगर नाला चोक पड़ा है, नाले की सफाई न होने से समस्या पैदा हो रही है। –गली के दोनों तरफ नालियां नहीं बनाई गई है, लोगों ने अपने हिसाब से नाली बना ली है। –सिकंदर गली में इंटरलाकिंग नहीं की गई है, कच्चे मार्ग से होकर लोग आते जाते हैं। –सीवर लाइन न होने से घरों का पानी भी बहकर गली में आ जाता है। –स्ट्रीटलाइट न जलने से गली में अंधेरा पसरा रहता है।

समाधान – –चोक नाले की सफाई करा कर उसमें जमा सिल्ट व सरपत हटाई जाए। –गली के दोनों तरफ पक्की नालियां बनाकर नियमित सफाई की जाए। –कच्ची गली में इंटरलाकिंग कर आवागमन सुगम कराया जाए। –पूरे इलाके में सीवर लाइन बिछाकर उसे मुख्य लाइन से जोड़ा जाए। –स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था की जाए। हमारी भी सुनें– यहां जलभराव की समस्या से हम लोग काफी अरसे से परेशान हैं, लगातार शिकायत की जा रही है लेकिन जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं जिससे समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है।–अरविंद साहू नाला जाम होने के कारण पानी आगे नहीं निकल पाता और ढाल होने के कारण पानी गली में जमा हो जाता है। गली में गंदा पानी और कीचड़ लगा हुआ है जिसके बीच से होकर आना जाना पड़ रहा है।–संगीता वर्मा तीन दिन से गली में पानी भरा हुआ है जिसके कारण हम लोग घर से नहीं निकल पा रहे हैं। घर के सामने ईंट लगाकर किसी तरह आने जाने के लिए रास्ता बनाया गया है। नाले की सफाई जरूरी है।–संजीव कुमार नाला–नाली की समस्या से हम लोग पूरे साल परेशान रहते हैं। बारिश में परेशानी और बढ़ जाती है। गंदा पानी घर में घुस आता है, हम लोग घर से नहीं निकल पाते। नाला–नाली साफ हो तो परेशानी न हो।–कुसुम देवी हालत ऐसी हो गई है कि बच्चे घर से नहीं निकल पा रहे हैं। गली में पानी और कीचड़ के कारण चल नहीं सकते। लोग कीचड़ में गिर जा रहे हैं जिससे कपड़े गंदे हो जाते हैं। समस्या का समाधान होना चाहिए।–रेनू आजाद नगर नाला अरसे से जाम है जिसकी सफाई बेहद जरूरी है तभी समस्या का समाधान हो सकेगा। इसके लिए कई बार निगम के अधिकारियों से कहा गया लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है।–पंकज खरवार नालों की सफाई का काम बारिश शुरू होने के पहले ही होना चाहिए था। अगर नाला साफ करा दिया जाता तो गली में पानी भरने की समस्या नहीं होने पाती। अधिकारियों को इस पर ध्यान देना चाहिए था।–फूलचन्द्र वर्मा तीन दिन पहले गंदा पानी हमारे घर में घुस आया था। सामान और कपड़े खराब हो गए। अगर जिम्मेदार समय से नाले की सफाई करा देते तो पानी नहीं रुक पाता और हम लोगों को परेशान न होना पड़ता।–पुष्पा देवी हर साल हम लोगों को बारिश में जलभराव से परेशान होना पड़ता है, शिकायत के बाद भी जिम्मेदार इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं जिससे समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। समस्या का निदान जरूरी है।–जितेन्द्र रावत सब्जी मंडी का कूड़ा डालकर आजाद नगर नाले को पाट दिया गया है जिससे पानी की निकासी नहीं हो पा रही है। नाले को साफ कराकर उसमें जमी सरपत हटाई जाए तभी पानी आगे निकल सकेगा।–सोनू सिकंदर गली की हालत बेहद खराब है, कच्चे मार्ग पर इतने गड्ढे हैं कि चलना मुश्किल हो जाता है। लोग कीचड़ में गिरते रहते हैं। नाले नालियों की सफाई के साथ ही इंटरलाकिंग की भी सख्त जरूरत है।–गोलू भारतीया बारिश के चार महीने हम लोगों के लिए काफी भारी पड़ते हैं, जरा सी बारिश होने पर गंदा पानी गली में लग जाता है और कई दिन तक जमा रहता है। तीन चार दिन पूर्व हुई बारिश में पूरी गली डूब गई थी, घर में पानी चला आया था।–मीनू

# आईपीएल क्रिकेटर यश दयाल ने यौन उत्पीड़न के मुकदमे को हाइकोर्ट में दी चुनौती

प्रयागराज। क्रिकेटर यश दयाल ने यौन उत्पीड़न के आरोप में दर्ज मुकदमे को इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी है। क्रिकेटर ने बृहस्पतिवार को हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। यौन उत्पीड़न के आरोप में दर्ज मुकदमे को रद्द करने की मांग की।

आईपीएल क्रिकेटर यश दयाल पर गाजियाबाद के इंदिरापुरम थाने में एक युवती ने छह जुलाई को यौन उत्पीड़न के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई है। क्रिकेटर यश दयाल ने दर्ज मुकदमे को रद्द करने की मांग करते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। इस याचिका में राज्य सरकार, इंदिरापुरम थाने के एसएचओ और पीड़िता को प्रतिवादी बनाया गया है। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की डबल बेंच में जल्द सुनवाई होने की उम्मीद है।

क्या है पूरा मामला

21 जून को गाजियाबाद जिले के इंदिरापुरम क्षेत्र की रहने वाली एक युवती ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत करते हुए क्रिकेटर यश दयाल पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। यश दयाल के खिलाफ सात जुलाई को देर रात पुलिस ने नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया था। क्रिकेटर पर इंदिरापुरम क्षेत्र की रहने वाली युवती ने पांच वर्ष तक संबंध में रहकर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। मामले में मुख्यमंत्री पोर्टल पर हुई शिकायत के बाद भी जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तब पीड़िता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स का सहारा लिया था। पुलिस के नोटिस भेजने के बाद भी जब क्रिकेटर ने अपने बयान दर्ज नहीं करवाए तब पुलिस ने सात जुलाई की देर रात बीएनएस की धारा 69 के तहत क्रिकेटर के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया था।

यश ने ढाई साल में कई लड़कियों से संबंध बनाए

पीड़िता ने पुलिस को यह भी बताया है कि वह यश दयाल को नवंबर–दिसंबर वर्ष 2020 से जानती हैं। सोशल मीडिया पर पहले कनेक्ट हुई थीं। प्रयागराज में ही उनकी पहली मुलाकात हुई थी। उनकी दोस्ती पिछले करीब पांच साल से है। पीड़िता ने कहा कि वह क्रिकेटर के घर पर कई बार रह चुकी हैं। शादी का आश्वासन देकर यश दयाल और उनका परिवार उम्मीद बांधता रहा। 2022 में यश दयाल गुजरात टाइटंस टीम का हिस्सा थे। टीम चौंपियन बनी थी। मैं भी उनके परिवार के साथ में फाइनल मैच के दौरान मौजूद थीं। सबकुछ सही ढंग से आगे बढ़ रहा था, लेकिन पिछले ढाई साल में यश दयाल ने कई लड़कियों से संबंध बनाए।

क्रिकेटर यश दयाल बोले, आठ लाख रुपये नहीं लौटाना पड़े इसलिए फंसाया जा रहा है

दुष्कर्म के केस में फंसे क्रिकेटर यश दयाल ने प्रतापगढ़ निवासी महिला मित्र समेत अन्य के खिलाफ खुल्दाबाद थाने में तहरीर दी है। आरोप लगाया है कि आठ लाख रुपये बकाया मांगने पर उन्हें खुदकुशी कर फंसाने की धमकी दी जा रही है। साथ ही युवती पर मोबाइल–लैपटॉप समेत अन्य सामान चोरी करने के आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। करबला निवासी आईपीएल क्रिकेटर ने तहरीर में बताया कि 2021 में उनकी मुलाकात इंस्टाग्राम के जरिये प्रतापगढ़ निवासी युवती से हुई।

युवती पर लगाया ब्लैकमेल करने का आरोप

आरोप लगाया कि समय–समय पर वह इलाज, कॉलेज फीस के नाम पर यह कहकर पैसे लेती रही कि मई 2025 तक वह पैसे वापस कर देगी। इसके साथ ही उसने शॉपिंग के लिए भी पैसे लिए। अचानक सोशल मीडिया से पता चला कि उसी युवती ने उनके खिलाफ गाजियाबाद में शिकायती प्रार्थनापत्र दिया है। आरोप लगाया कि युवती व उसके तीन सहयोगियों व 5–10 अज्ञात लोग गैंग संचालित करते हुए सीधे–साधे लोगों से धन उगाही कर रहे हैं।

यह भी पता चला कि उनका लैपटॉप, आईफोन व अन्य सामान भी मुलाकात के बहाने युवती ने चोरी कर लिए हैं। उनसे लगभग आठ लाख रुपये उधार लिए गए और बकाया वापस मांगने पर उनके खिलाफ झूठा शिकायती प्रार्थनापत्र दिया गया। यही नहीं, पैसे वापस मांगे तो युवती ने उन्हें धमकी दी कि अगर उन्होंने उससे शादी नहीं की तो वह आत्महत्या कर लेगी। इसके साथ ही उनके मां–बाप को गालियां दी जाती रहीं और जान से मारने की धमकी तक दी गई। लगातार मानसिक प्रताड़ना के चलते उन्हें चिकित्सकीय निगरानी में रहना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह पूरा घटनाक्रम योजनाबद्ध तरीके से उन्हें फंसाने और आर्थिक रूप से नुकसान पहुंचाने के लिए रचा गया।

## कानून पर हावी होने की बढ़ती प्रवृत्ति को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता, यह है पूरा मामला

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद में एक संपत्ति पर दोबारा अवैध कब्जे के मामले में नाराजगी जताते हुए सख्त टिप्पणी की है। कहा है कि कानून की अवहेलना और कानून पर हावी होने की प्रवृत्ति को बर्दाश्त नहीं किया जा सकती। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजियाबाद में एक संपत्ति पर दोबारा अवैध कब्जे के मामले में नाराजगी जताते हुए सख्त टिप्पणी की है। कहा है कि कानून की अवहेलना और कानून पर हावी होने की प्रवृत्ति को बर्दाश्त नहीं किया जा सकती। इस तरह की कार्रवाइयों को रोका नहीं गया तो इससे कानून के शासन को गहरा नुकसान होगा। कोर्ट ने कहा कि एडीएम या डीएम को सरफेसी एक्ट के तहत दोबारा आवेदन स्वीकार करने की पूरी शक्ति है। यह आदेश न्यायमूर्ति शेखर बी सराफ और न्यायमूर्ति प्रवीण कुमार गिरि की खंडपीठ ने डीसीबी बैंक लिमिटेड की ओर से दायर याचिका पर दिया। बैंक ने याचिका में मांग की थी कि सरफेसी अधिनियम, 2002 के तहत जब्त संपत्ति पर दोबारा हुए अवैध कब्जे को हटाया जाए और बैंक को पुनः अधिकार दिया जाए। डीसीबी (डेवलपमेंट क्रेडिट बैंक) ने एक संपत्ति को बंधक बनाकर करीब 18 लाख रुपये ऋण स्वीकृत किया था। कर्जदार ने जब ऋण नहीं चुकाया तो बैंक ने सरफेसी एक्ट के तहत संपत्ति पर कब्जे के लिए आवेदन किया, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

## शुकतीर्थ में शहीद भगतसिंह स्पोर्ट्स एकेडमी का हुआ भूमि पूजन

### - कबड्डी खिलाडी अर्जुन देशवाल ने ईंट रखकर किया शिलान्यास

मोरना। शुकतीर्थ में गुरूवार को शहीद भगतसिंह स्पोर्ट्स एकेडमी का भूमि पूजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राष्ट्रीय कबड्डी खिलाडी अर्जुन देशवाल ने अपने हाथों से नींव की ईंट रखकर शिलान्यास किया। स्पोर्ट्स एकेडमी में वॉलीबाल, कबड्डी, कुश्ती व बैडमिंटन कोर्ट बनाए जाएंगे। शुकतीर्थ में शहीद भगतसिंह स्पोर्ट्स एकेडमी का भूमि पूजन के पूर्व हवन यज्ञ में अतिथियों ने मंत्रोच्चारण के बीच आहूति दी। मुख्य अतिथि अर्जुन देशवाल ने कहा कि एकेडमी के निर्माण से ग्रामीण क्षेत्र के

युवाओं को बेहतर और उच्च गुणवत्ता वाली खेल सुविधाएं मिल सकेगी। भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी ने कहा कि क्षेत्र में कहीं पर भी खेलों के प्रति रुझान रखने वाले युवाओं के लिए खेल का मैदान नहीं है। अब युवाओं को खेलों में अपनी प्रतिभा निखारने के लिए कहीं जाना नहीं पडेगा। एकेडमी क्षेत्र के युवाओं की प्रतिभा देखकर उसे निःशुल्क सुविधा देने का काम करेगी। एकेडमी में फिलहाल वॉलीबाल, कबड्डी, कुश्ती व बैडमिन्टन के इंडोर कोर्ट बनाए जाएंगे तथा अनुभवी प्रशिक्षक भी नियुक्त किए जाएंगें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन को मिशन मोड पर आगे बढ़ाने के लिए एकेडमी की स्थापना की जा रही है। आचार्य नेत्रपाल शर्मा ने हवन यज्ञ सम्पन्न कराया तथा ज्ञानसिंह सैनी व हरपाल माजरा यज्ञमान के रूप में मौजूद रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल, देवेन्द्र चेयरमैन, यशपाल, राजीव चेयरमैन, अरूण प्रधान, मदन चौहान, अमरदीप, मंडल अध्यक्ष अरूण पाल, संजीव प्रधानाचार्य, वरूण सहरावत, सतीश सहरावत, राजीव राठी, योगेन्द्र मुखिया, आशीष राठी डायरेक्टर, बिन्नू राठी, प्रमोद राठी, नरेन्द्र प्रमुख, पं. रामकुमार शर्मा, सुधीश फौजी, धर्मेन्द्र शर्मा, संसार सिंह, संदीप चौधरी, पुनीत खोकर, विपुल, अमित सालार, संजीव कश्यप आदि मौजूद रहे।

## जंक्शन पर दहशत, सुरक्षा पर उठे सवाल

प्रयागराज। जंक्शन जैसे हाई सिक्योरिटी जोन में बुधवार रात जो कुछ हुआ, उसने यात्रियों में दहशत फैला दी। साथ ही रेलवे व अन्य सुरक्षा एजेंसियों की कार्यशैली पर भी सवाल खड़ा कर दिया है। वारदात से पहले हमलावर खुलेआम लोहे की रॉड लेकर प्लेटफार्म संख्या 7/8 तक पहुंचा लेकिन किसी सुरक्षाकर्मी की नजर उस पर नहीं पड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, जैसे ही रेलकर्मी पर हमला हुआ लोग चीखते हुए प्लेटफार्म से बाहर की ओर भागने लगे। अफरातफरी में कई लोग अपना सामान छोड़कर भागे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमलावर ने एक वेंडर को भी रॉड लेकर खदेड़ा लेकिन वह समय रहते भाग निकला। प्रारंभिक जांच–पड़ताल में सामने आया है कि आरोपी मानसिक विक्षिप्त युवक आउटर की दिशा से प्लेटफॉर्म पर दाखिल हुआ। उसके हाथ में लोहे की रॉड थी, जिसे देखकर सामान्य स्थिति में ही अलर्ट हो जाना चाहिए था।

## बेलपत्र का पेड़ लगाकर वृक्षारोपण अभियान का आगाज़

मुजफ्फरनगर। शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला महाविद्यालय माधवपुरम मेरठ में आज दिनांक 9 जुलाई 2025 को एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण किया गया। प्राचार्य डॉ अंजू सिंह के द्वारा बेल पत्र का पेड़ लगाकर वृक्षारोपण रोपड़ कार्यक्रम

की शुरुआत की गई। उसके पश्चात इको क्लब के अन्य सदस्यों एवं छात्र–छात्राओं के द्वारा महाविद्यालय में वृक्षारोपण किया गया। जुलाई माह में वृक्षारोपण अभियान को वृहद स्तर पर महाविद्यालय द्वारा चलाया जाएगा। इको क्लब प्रभारी डॉक्टर सत्यपाल सिंह राणा सह प्रभारी डॉक्टर कुमकुम एवं डॉ गौरी एवं डॉ उषा साहनी, डॉ आरसी सिंह, डॉ ऋचा राणा, डॉ शालिनी सिंह उपस्थित रहे। छात्राओं में कुमारी तान्या, शीतल, इलमा, शिवानी दिव्या आदि ने भी अभियान में भागीदारी की।

## गुरु पूर्णिमा पर वार्षिक उत्सव कार्यक्रम

मुजफ्फरनगर। सँस्कार भारती मुजफरनगर इकाई, मेरठ प्रांत के तत्वाधान में वार्षिक उत्सव 'गुरु पूर्णिमा' कार्यक्रम का सुंदर का आयोजन आज पी. एस.पब्लिक स्कूल, अलमासपुर, मुजफ्फरनगर में बड़ी ही धूमधाम से किया गया। जिसमें संस्कार

भारती के पदाधिकारी व लेखक ,कवि कवयित्रियों ने बच्चों को गुरु महिमा के विषय में गीत ,कविता , आलेख, निबंध आदि के माध्यम से एकलव्य आदि गुरू भक्तों के उदाहरण देकर समझाया। इसी बीच सुनीता सोलंकी की पुस्तक 'शाम–का–तारा' का लोकार्पण भी हुआ। अंत में कुलदीप सिवाच व उनकी धर्मपत्नी जी ने सबको आभार व्यक्त करते हुए संस्कार भारती के सभी पदाधिकारियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किए।

## प्रोफेसर पद पर प्रोन्नत होने पर स्वागत

मुजफ्फरनगर। शहीद मंगल पांडे राजकीय महिला महाविद्यालय माधवपुरम मेरठ में आज दिनांक 9 जुलाई 2025 को महाविद्यालय में तीन प्राध्यापकों को प्रोफेसर पद पर प्रोन्नत होने पर बधाई एवं स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया।

महाविद्यालय की प्राचार्य प्रोफेसर डॉक्टर अंजू सिंह एवम् प्रो लता कुमार ( कॉर्डिनेटर आई क्यू ए सी) डॉ सत्यपाल सिंह राणा, डॉ रामचंद्र सिंह एवं डॉ उषा साहनी का पुष्प देकर स्वागत किया एवं उन्हें आगामी कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक उपस्थित रहे। कार्यक्रम आयोजन में डॉ कुमकुम का विशेष सहयोग रहा।

## अब्दुल्ला का चयन भारतीय वॉलीबाल टीम में

### –भारतीय वॉलीबाल टीम 12 से 16 जुलाई 2025 तक थाईलैंड में भाग लेंगी

प्रयागराज। जिले के वॉलीबाल खिलाड़ी अब्दुल्ला का चयन अंडर–16 बालक वर्ग की अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल प्रतियोगिता के लिए किया गया है। उक्त आशय की जानकारी देते हुए डिस्ट्रिक्ट वॉलीबाल एसोसिएशन(डीवीए),प्रयागराज के महासचिव आर.पी.शुक्ला ने बताया कि प्रयागराज जिले के क्षेत्र गंगापार,गाँव मंडौर का खिलाड़ी अब्दुल्ला

का चयन अंडर–16 भारतीय वॉलीबाल टीम के राष्ट्रीय कैम्प के लिए बैंगलोर में किया गया था और कैम्प के पश्चात अब वह 12 से 16 जुलाई 2025 तक थाईलैंड में होने वाली अंतरराष्ट्रीय बालकों की अंडर–16 वॉलीबाल टीम में भारतीय वॉलीबाल टीम का प्रतिनिधित्व करेगा। भारतीय वॉलीबाल टीम बुधवार को बैंगलोर एअरपोर्ट से थाईलैंड के लिए रवाना हो चुकी है। अब्दुल्ला का चयन भारतीय अंडर–16 वॉलीबाल टीम में होने पर पूर्व अंतरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी जॉर्डन एच नाथ, प्रभात राय, आर.पी. शुक्ला, के.बी.एल.श्रीवास्तव, भैया राम एडवोकेट, अल्ताफ अली, मो. तसलीम, बी.एच.जैदी, आशीष शुक्ला, राजित राम शुक्ला, सुभाष यादव, मो.यूनुस, हसीब अहमद, नीरज श्रीवास्तव, आजम खां, हरिकेश विश्वकर्मा, हुसैन मास्टर, मो.आरिफ, मो.उबैद, मो.यूसुफ, आशीष श्रीवास्तव, सतीश कुमार, मो.अफजल, मो.फैसल, मो.हसीब, मो. दाऊद, अजय यादव, अनिल कुमार, मोनू यादव, सुरेंद्र कुमार, गोरेलाल, पी.के.यादव, मो.हुसैन, अब्दुल रहमान, प्रिंस कुमार, मो. महफूज, मोनू खां व फ़ैज़ाज सेख आदि खिलाड़ियों ने बधाई के साथ अपनी शुभकामनाएं देकर उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

# गांव शाहडब्बर में बिजली अधिकारियों को देख आक्रोशित हुए ग्रामीण

### कहा– जहां पर पहले सर्वे हुआ वहां नहीं लगा रहे हैं बिजली की लाइन बिजली विभाग और प्रशासन मुर्दाबाद के भी लगाए गये नारे

मुजफ्फरनगर। दरअसल पूरा मामला पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जनपद मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना तहसील क्षेत्र के गांव शाहडब्बर का है जिसमें विद्युतकर्मी उस स्थान पर खंभे लगाने को बिल्कुल भी तैयार नहीं हैं जिसका काफी समय पहले सर्वे हो चुका है क्योंकि काफी ग्रामीणों के आरोप के मुताबिक बिजली अधिकारी सर्वे वाली जगह के किसानों से मोटी रकम ले चुके हैं और वहां के स्थान को छोड़कर बिना सर्वे किए दूसरी जगह पर बिजली की लाइन को खींचने पर आमादा हैं जिसको बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी को लेकर गांव शाहडब्बर में उस समय हंगामा खड़ा हो गया जब एसडीओ, जेई और ठेकेदार टीम को लेकर बिना सर्वे वाली जमीन पर खंभे लगाने की नीयत से पहुंच गया। टीम को ग्रामीणों ने अपने घेरे में ले लिया और सभी अधिकारियों को जमकर खरी खोटी सुनाई। ग्रामीणों ने कहा कि जिस जगह सर्वे किया गया था उस जगह पर ही खंभे लगाए जाएं। इससे अलग अगर कहीं पर भी लाइन खींचने का काम किया गया तो वे आत्मदाह कर लेंगे। आशु राठी और विवेक राठी सहित कई किसानों ने बताया कि विद्युत विभाग बुढ़ाना ब्लाक क्षेत्र के गांव शाहडब्बर में विगत दिनों

एक स्थान पर सर्वे कर गया था क्योंकि उस निश्चित स्थान पर 33 केवी की विद्युत लाइनघ के खंभे लगाए जाने थे लेकिनघ अब विद्युत विभाग वहां पर उक्त लाइन खींचने को तैयार नहीं है। ग्रामीणों का खुला आरोप है कि पूर्व में जिस स्थानघ का सर्वे हुआ था वहां के किसानों ने चुपचाप तरीके से अधिकारियों को एक तयशुदा रकम देकर लाइन लगवाने का रुख दूसरी जगह पर करा लिया। 5 दिन पहले भी एसडीएम बुढ़ाना मोनालिसा जौहरी और मुख्यमंत्री को इसकी शिकायत कर चुके हैं। ग्रामीणों ने एसडीओ अजय कुमार, जेई पुनीत कुमार और ठेकेदार से सवाल किए कि जब सर्वे हो गया था तो वहां पर लाइन क्यों नहीं खींची जा रही और अब यहां खंभे लगा रहे हो तो किसकी अनुमति से लाइन खींचने का काम किया जा रहा है। जिस पर अधिकारी बगले झांकने लगे। गुस्साए ग्रामीणों ने अधिकारियों को अपने घेरे में लेते हुए उनको जमकर खरी खोटी सुनाई और बिजली विभाग मुर्दाबाद के नारे लगाए और कहा कि इससे पहले वे कोई ग़लत कदम उठाएं यहां से चले जाओ।घ तब अधिकारियों ने ग्रामीणों के आक्रोश को देखकर बैरंग लौटने में ही अपनी भलाई समझी और वहां से ग्रामीणों के खदेड़ने पर भागकर अपनी जान बचाई। ग्रामीणों ने कहा कि वे किसी भी सूरत में दूसरे स्थान पर फर्जी सर्वे के आधार पर खंभे लगने नहीं देंगे। लाइन वहीं खिंचेंगी जहां पहले सर्वे हुआ था।

जनपद मुजफ्फरनगर से नसीम कुरैशी की खास खबर

# मुडिया मेलाः मुड़िया संतों ने निकाली परंपरागत शोभायात्रा

### –468 साल से निभाई जा रही है परंपरा, अद्भुत दृश्य देख रोमांचित हो रहे श्रद्धालु

मथुरा। गोवर्धन पर्वत के उपर कडकती आकाशीय बिजली के बीच आसमान में घुमडते बरसते घने काले मेघा और तलहटी में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड, तलहटी में द्वापर कालीन अद्भुत दृश्य उपस्थित हो रहा था। मानो इंद्रदेव अपने रौद्र रूप में हौं और ब्रजवासी अपने कान्हा के भरोसे गोवर्धन पर्वत के इर्द गिर्द एकत्रित हो गये हौं। मुडिया मेला में पूर्णमासी की रात को यह सब श्रद्धालुओं को रोमांचित कर रहा था। सप्तकोसीय परिक्रमा मार्ग भगवान श्रीकृष्ण के जयकारों से गुंजायमान था। सब की टेर कान्हा से लगी थी। गुरू पूर्णिमा के दिन में गिरिराज तलहटी गोवर्धन में मुड़िया शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई। जिसमें मुड़िया संत ढोल मृदङ्ग की थापों पर नाचते हुए इस प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते हुए नजर आए। यात्रा ने चकलेश्वर से शुरू होकर संपूर्ण कस्बे में भ्रमण किया। मुड़िया शोभायात्रा गिरिराज तलहटी गोवर्धन में लगने वाले मुड़िया मेला का रविवार को मुड़िया शोभायात्रा के साथ समाप्त हो गया। चकलेश्वर स्थित श्रीराधा श्याम सुंदर मंदिर से मुड़िया शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें सभी मुड़िया संत ढोल मृदङ्ग खंजरी की थापों पर नाचते गाते हुए अपने गुरु की याद में इस प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते नजर आए। यात्रा राधा श्याम सुन्दर मंदिर से निकली और

चकलेश्वर से होते हुए दसविसा हरदेव जी मन्दिर बिजली घर से होते हुए दानघाटी मन्दिर बड़ा बाजार हाथी दरवाजा होकर अपने गंतव्य स्थान पर पहुंची। शोभायात्रा में सैकडों संत महात्मा साधु सन्यासिन एवं स्थानीय लोगों ने भाग लिया। वहीं मुड़िया शोभायात्रा का जगह जगह स्वागत हुआ। यह परम्परा लगभग 468 साल पहले शुरू हुई। जब माधव गौडीय सम्प्रदाय के आचार्य श्रीपाद सनातन गोस्वामी श्री चौतन्य महाप्रभु के आदेश पर ब्रजभूमि पधारे तो यहां वृन्दावन के बाद गोवर्धन ही उनकी भजन स्थली बनी। सनातन गोस्वामी अपने बालों का मुंडन कर भजन साधना में लीन रहते थे। इसलिए सभी उन्हें मुडिया बाबा के नाम से जानते थे। गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा करना उनके नित्यकर्म में शामिल था। इसीलिए जब उन्होंने गुरू पूर्णिमा के दिन अपना शरीर छोडा तो गुरु की आज्ञा अनुसार उनके अनुयायियों ने अपने बालों का मुंडन कर मुड़िया शोभायात्रा निकाली। गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा की थी। तब से लेकर आज तक यह परंपरा चली आ रही है। मुड़िया संत इतनी चिलचिलाती धूप में भी ढोल मृदङ्ग खंजरी की थापों पर नाचते गाते हुए अपने गुरु की याद में इस प्राचीन परंपरा का निर्वहन करते हैं।

सात कोस में सिमट गया मिनी भारत

सात कोस की परिक्रमा में मानो आस्था, श्रद्धा और विश्वास से ओतप्रोत मिनी भारत सिमट गया हो। अलग अलग पहनावे में अलग अलग बोली बोल रहे लोग लेकिन सब का भाव एक ही था। भीड थी लेकिन स्वनियंत्रित, अपार भीड़ को कोई नियंत्रित नहीं कर रहा था बावजूद इसके सब बेहद अनुशासित नजर आ रहे थे। उल्लास, उत्साह और उमंग के सागर में हुड़दंग का नामोनिशान नहीं था। यह अद्भुत और अनूठा आयोजन लोगों के विश्वास को और मजबूत कर रहा था। यही वजह है कि साल दर साल गोवर्धन में मुड़िया मेला पर जुटने वाली भीड़ बढ़ती जा रही है।

# सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर 2 युवतियों से दुष्कर्म

### –अकेले युवक ने अपने मकान में दिया घटना को अंजाम

नई दिल्ली। दो युवतियों से अलग–अलग समय पर एक ही युवक द्वारा दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। अब इस घटना के कुछ दिन बाद एक युवती ने हिम्मत दिखाते हुए दिल्ली पुलिस को तहरीर देकर युवक के विरुद्ध कार्यवाही की मांग कर डाली। पुलिस ने भी युवती से हुई बातचीत के आधार पर आरोपी की तलाश शुरु कर दी है।

मामला बीती 26 जून का है। दिल्ली निवासी 25 वर्षीया रवीना (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उसे किसी परिचित के द्वारा शिवेन्द्र नामक युवक का नम्बर मिला। बात हुई तो उसने उसे पूर्वी दिल्ली में सरकारी नौकरी दिलाने के सिलसिले में अपने मकान पर बुलाया। बातचीत में शिवेन्द्र ने अपने आपको पंचकुला हरियाणा का निवासी बताकर कहा की उसकी जान–पहचान सरकारी विभागों, नेताओं व बड़े अफसरों मे है। वह किसी भी सरकारी विभाग में नौकरी लगवा सकता है और विभागीय टेस्ट पास करवा

सकता है। यह जानने के बाद उसने अपने दस्तावेज के साथ उससे आगे मिलने का प्रस्ताव रखा तो शिवेन्द्र ने उसे पूर्वी दिल्ली में लक्ष्मीनगर में एक फ्लैट में बुलाया। दस्तावेज देखने के बाद वह बोला कि ठीक है तुम्हारा काम हो जायेगा। मैं चलने को हुई तो शिवेन्द्र ने कहा कि गर्मी है कोल्ड ड्रिंक पीकर जाओ। तब वह अन्य कमरे से कोल्ड ड्रिंक की बोतल लाया और उसे गिलास में डालकर दे दी। जब उसने पी तो उसके बाद वह अपने होश खो बैठी और बेहोश हो गयी। जब उसे होश आया तो उसने अपने आपको नग्नावस्था में पाया। उसका रेप हो चुका था और शिवेन्द्र पास बैठा मुस्करा रहा था। मैंने जल्दी से अपने कपड़े पहने तो शिवेन्द्र मुझसे बोला कि अब कोई चिंता नहीं तुम्हारी सरकारी नौकरी पक्की। उसके बाद वो अपने घर आ गयी। 4 दिनों तक वह अपने घर से बाहर नहीं निकली। 3 जुलाई को पता लगा कि शिवेन्द्र ने एक अन्य युवती के साथ भी ऐसे ही सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर उसको अपनी हवस का शिकार बनाया। मैंने शिवेन्द्र को फोन किया और उससे कहा कि तुमने मेरे और एक अन्य लड़की के साथ गलत काम किया है। मैं तुम्हारी शिकायत पुलिस में करूंगी। तब वो बोला जहां भी जाना है जाओ तुम मेरा कुछ नहीं बिगाड़ सकती। मेरी पहुंच ऊपर तक है। अब पीड़िता ने आरोपी शिवेंद्र के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। उधर पूर्वी जिला दिल्ली पुलिस ने आरोपी शिवेंद्र की तलाश शुरु कर दी है।

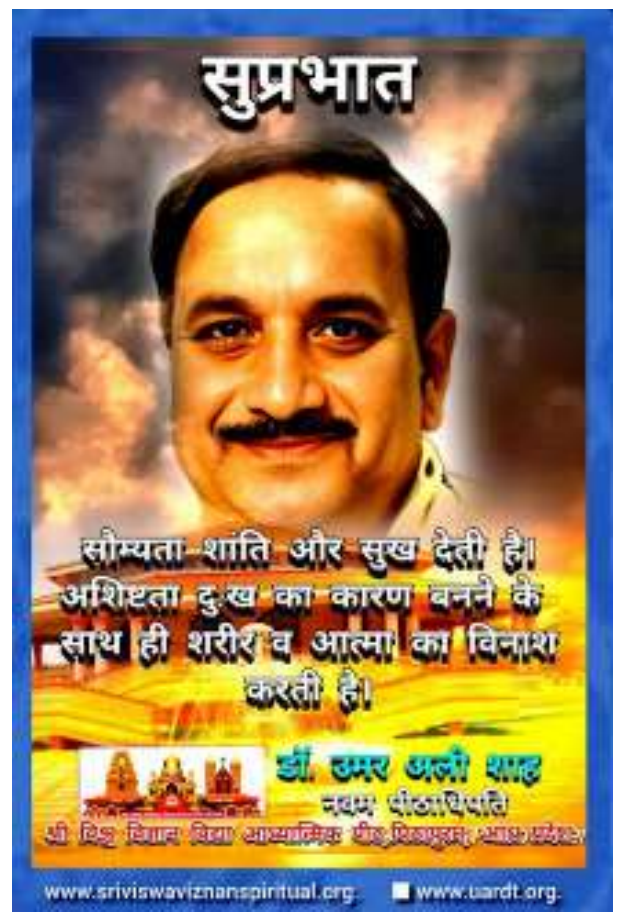


## कोहितूर आम

(कुण्डलिया)

कहते हैं बंगाल में, जिसको शाही आम।
दिया नवाबों ने उसे, कोहितूर शुभ नाम।
कोहितूर शुभ नाम,धनी ही खाते जिसको।
रहा दूर से देख, बताता निर्धन उसको।
सुन लो कहें प्रदीप,बहुत ही मँहगे बिकते।
आमों का सरदार,सिराजुद्दोला कहते।।

नाजुक मोहक आम का, कोहितूर है नाम।
स्वाद सुगन्ध रस रंग का, है पूरा इक लाम।
है पूरा इक लाम,बताता है नाजुकपन।
धनिकों का ही करे, हमेशा यह मनसायन।
समझो इसे प्रदीप,अगर रखते हो ताल्लुक।
दुर्लभ हुई प्रजाति, घड़ी आयी है नाजुक।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

## इं. गौतम देब को एनटीपीसी के उत्तरी क्षेत्र का क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक बनाए जाने पर इन्जीनियर्स क्लब ने दी शुभकामनायें

मुजफ्फरनगर। भारत सरकार के उर्जा मन्त्रालय द्वारा इं० गौतम देब को राष्ट्रीय तापीय उर्जा निगम के उत्तरी क्षेत्र का कार्यकारी निदेशक बनाए जाने पर इन्जीनियर्स क्लब ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इं० गौतम देब को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

देने के साथ–साथ भारत सरकार का धन्यवाद ज्ञापित किया । इन्जीनियर्स क्लब के सचिव इं० बसन्त कुमार गोयल ने बताया कि इं० गौतम देब ने उत्तरी बंगाल यूनिवर्सिटी, दार्जिलिंग से मैकेनिकल इन्जीनियरिंग में स्नातक की शिक्षा प्राप्त कर, 37 वर्ष पूर्व सन् 1988 में एनटीपीसी में एक्जीक्यूटिव ट्रेनी के रुप में नौकरी प्रारम्भ की थी। उन्होंने आईआईटी खड़गपुर से औद्योगिक प्रबन्धन में एम टेक किया व एमडीआई गुरुग्राम से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा शिक्षा प्राप्त की। उनके द्वारा उत्तरी क्षेत्रीय मुख्यालय लखनऊ से उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान के एनटीपीसी के समस्त तापीय उर्जा उत्पादन गृहों सम्बन्धित प्रोजेक्ट्स की मोनिटरिंग की जायेगी।

## नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने सिखाया सबक

### –पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में गोली लगने से हुआ लहूलुहान

मथुरा। नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पैर में गोली लगी जिससे वह घायल होकर गिर पडा। इसके बाद पुंलिस ने उसे दबोच लिया। घायल अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नाबालिग के साथ दुष्कर्म के आरोपित के साथ पुलिस की मुठभेड सुरीर क्षेत्र में हुई। रात को पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी थाना क्षेत्र के गांव टैंटीगांव में घूमता दिखाई दिया है। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक अभय कुमार पुलिस बल के साथ गांव में पहुंच गए। पुलिस को देख आरोपी फायरिंग करते हुए भागने लगा, पुलिस ने टैंटीगांव स्थित यमुना एक्सप्रेस वे के अंडर पास के नीचे आरोपी को घेर लिया। जबावी कार्रवाई में एक गोली आरोपी की टांग में लगी और वह घायल हो गया। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने कब्जे से तमंचा और दो कारतूस जिंदा बरामद किए हैं। एसपी सिटी सुरेश कुमार रावत ने बताया कि 8 जुलाई को गांव में परचून की दुकान के पीछे बनी गैलरी में रिजवान ने 6 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था। बच्ची के पिता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज हुई थी। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुट गई। 8 जुलाई को सुरीर थाना क्षेत्र के गांव में रहने ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर दी। तहरीर में उसने बताया कि उसकी गांव में परचून की दुकान है।

# सम्पादकीय.....

## हिमालयी परिवेश की रक्षा

हाल के दिनों में हिमालयी राज्यों खासकर हिमाचल व उत्तराखंड में अतिवृष्टि और बादल फटने की घटनाओं में जिस तेजी से पुनरावृत्ति हुई है, उसे मौसम के चरम के रूप में देखे जाने की जरूरत है। हालांकि, तात्कालिक जरूरत आपदा प्रभावित जिलों में राहत, बचाव व पुनर्वास के प्रयासों में तेजी लाने की है, लेकिन सबसे बड़ी जरूरत मौसम के चरम के बीच अचानक आती बाढ़ और बार–बार बादल फटने के कारणों को भी समझने की है। हाल ही में, इन्हीं मुद्दों की तरफ हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने भी ध्यान खींचा है। निस्संदेह, इन कारणों की पड़ताल के लिए विषय विशेषज्ञों की सहायता लेना भी जरूरी है। पिछले दिनों हिमाचल में आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में मुख्यमंत्री ने उन उपायों की सूची पर चर्चा की, जिन्हें तत्काल लागू करने की आवश्यकता है। इन उपायों में नदियों में अवैज्ञानिक तरीके से मलबा फेंकने की जांच, नियमित मौसम अपडेट देना और नदी–नालों से कम से कम सौ मीटर की दूरी पर घरों का निर्माण करना शामिल है। लेकिन इसके प्रभावी लक्ष्य तभी हासिल किए जा सकते हैं जब इस बाबत किसी ठोस योजना को अमलीजामा पहनाया जाए और साथ ही नीतियों के क्रियान्वयन की समय सीमा निश्चित की जाए। निश्चित रूप से मौजूदा संकट को देखते हुए युद्धस्तर पर काम करने की जरूरत है। वह समय चला गया जब सरसरे आदेश दिये जाते और सिफारिशें की जाती थीं। कानूनों और नियमों की अनदेखी के खिलाफ सभी एजेंसियों को तालमेल बैठाकर इस दिशा में अभियान चलाने की जरूरत है। वनों की अवैध कटाई, अनियोजित निर्माण और अवैज्ञानिक विकास प्रथाओं पर लगाम लगाना बेहद जरूरी है। इसके लिये सरकारी मशीनरी को मिशन मोड में काम करने की जरूरत होगी। जिसके लिये मजबूत राजनीतिक इच्छा शक्ति की जरूरत है। भले ही राज्य की सत्ता में दो दलों का वर्चस्व हो और उनकी विचारधाराओं में टकराव रहा हो, लेकिन इस मुद्दे पर एकजुट होकर संकट का मुकाबला करने की जरूरत है। निश्चय ही हाल के वर्षों में पहाड़ विरोधी विकास ने हिमालयी राज्यों की अस्मिता को आहत किया है। हिमालयी राज्यों में लोग पहाड़ों के मूल चरित्र में हस्तक्षेप करने वाले विकास की विसंगतियों की कीमत चुके रहे हैं। अब चाहे बड़े बांध हों या फोर लेन सड़के हों। निस्संदेह, विकास हर राज्य की प्राथमिकता है, लेकिन विकास योजनाओं को पहाड़ों की जरूरत के मुताबिक बनाया जाना चाहिए। इन राज्यों में स्थितियां विकट हैं और हालात और खराब होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। भूस्खलन की लगातार बढ़ती घटनाएं और दरकती सड़कें इसकी बानगी मात्र हैं। कुल मिलाकर पहाड़ों के अस्तित्व पर संकट बढ़ा है। निस्संदेह, मौजूदा रणनीति और नीतियां इस संकट से निबटने में सक्षम नहीं हैं। सत्ता में बैठे लोगों के लिये जरूरी है कि वे मौसम विशेषज्ञों, पर्यावरणविदों और क्षेत्र के अनुभवी लोगों से राय लें। साथ ही तकनीकी समाधानों को वरीयता दी जाए। इसमें दो राय नहीं कि मानव जनित समस्याओं के निदान के लिये मानवीय दृष्टि से संवेदनशील समाधान तलाशने की जरूरत है। निश्चित रूप से इसमें समुदाय के तौर पर एकजुटता के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं रह जाता। समय आ गया है कि हम एक बार फिर से पहाड़ों के अनुरूप जीवन शैली को अपनाएं। पहाड़ हमारी आवश्यकता तो पूरी कर सकते हैं, लेकिन वे इंसान की विलासिता का बोझ सहन करने को तैयार नहीं हैं। निश्चित ही आधुनिकता की आंधी में संयम का जीवन और आवश्यकताओं को सीमित करना कठिन कार्य है, लेकिन बचाव का संभवतरू अंतिम उपाय यही है। बहुमंजिला इमारतों को सीमित करना, जल निकासी की समुचित व्यवस्था और निर्माण से पहले जमीन की क्षमता का आकलन करना जरूरी हो जाता है। नदियों में होने वाले अवैध खनन को रोकना भी उतना जरूरी है, जितना जंगलों का कटान रोकना जरूरी है। पहाड़ों को उस हरीतिमा से ढकना होगा जो भूस्खलन व मिट्टी के कटाव को रोकने में सक्षम हो। साथ ही नदियों के स्वाभाविक प्रवाह को बाधित करने वाले कारकों को दूर करने की भी जरूरत है। दरअसल, नदियां अधिक जल प्रवाह होने पर हमेशा अपने विस्तार क्षेत्र को ही तलाशती हैं।

# विवादास्पद चार श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन का भाग्य दांव पर

**डॉ. ज्ञान**

*केंद्र सरकार का इरादा 1 अप्रैल, 2025 से श्रम संहिताओं को लागू करने का था, क्योंकि लगभग 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने पहले ही चार संहिताओं के अनुरूप मसौदा नियम प्रकाशित कर दिये थे और लगभग 20 ने उन परिवर्तनों को लागू कर दिया था।*

देश भर के औद्योगिक क्षेत्रों से मिल रहे सभी संकेत बताते हैं कि 9 जुलाई, 2025 को अखिल भारतीय मजदूर हड़ताल एक निर्णायक दौर होगा, जिसके परिणाम, चाहे अच्छे हों या बुरे, मजदूर संघों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार दोनों को ही भुगतने होंगे और उनसे निपटना होगा। इस आम हड़ताल की सफलता या विफलता चार विवादास्पद श्रम संहिताओं के क्रियान्वयन का भाग्य तय कर सकती है, जिन्हें फिलहाल रोक रखा गया है, लेकिन केंद्र उन्हें जल्द से जल्द लागू करना चाहता है। केंद्र की कार्रवाइयों में जो विरोधाभास देखा जा रहा है, उसने मजदूरों को सरकार की असली मंशा के बारे में सबसे ज़्यादा आशंकित कर दिया है। सरकार ने चार श्रम संहिताओं –एक 2019 में भारत की संसद में पारित होने के बाद, और तीन 2020 में –को कई कारणों से रोक रखा है, जिसमें अखिल भारतीय हड़ताल की कार्रवाई सहित अनेक विरोध प्रदर्शन सहित कामगारों का कड़ा विरोध, केंद्र और राज्यों के अपने नियमों के साथ तैयार न होना, और भारतीय औद्योगिक प्रतिष्ठानों द्वारा आवश्यक उपाय के साथ तैयार न रहना शामिल है। हालांकि, सरकार श्रम कानूनों के वर्तमान ढांचे में संहिताओं के विभिन्न प्रावधानों को लागू कर रही है। मौजूदा श्रम कानूनों में न केवल केंद्रीय स्तर पर बल्कि राज्य स्तर पर भी संशोधन किये जा रहे हैं। उदाहरण के लिए, कई राज्य सरकारों ने महिलाओं के लिए रात की पाली में काम करने, निश्चित अवधि के रोजगार की अनुमति देने के लिए श्रम कानूनों में संशोधन और कारखाना अधिनियम, अनुबंध श्रम अधिनियम और औद्योगिक विवाद अधिनियम जैसे श्रम कानूनों की प्रयोज्यता के लिए श्रमिकों की सीमा बढ़ाना शामिल है, जिससे नियोक्ताओं को श्नौकरी पर रखने और निकालनेश्च की खुली छूट मिल गयी है। पश्चिम बंगाल और केरल जैसे राज्य उन राज्यों में से हैं जो श्रम संहिताओं के तहत विभिन्न प्रावधानों पर आपत्ति जता रहे हैं। केंद्र सरकार का इरादा 1 अप्रैल, 2025 से श्रम संहिताओं को लागू करने का था, क्योंकि लगभग 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने पहले ही चार संहिताओं के अनुरूप मसौदा नियम प्रकाशित कर दिये थे और लगभग 20 ने उन परिवर्तनों को लागू कर दिया था। फिर भी, 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच के कड़े विरोध और सरकार का समर्थन करने वाले भारतीय मजदूर संघ द्वारा भी कुछ प्रावधानों पर व्यक्त की गयी कुछ आपत्तियों के कारण अधिसूचना को स्थगित कर दिया गया था। केंद्र द्वारा 1 अप्रैल, 2025 से श्रम संहिताओं को लागू करने के अपने इरादे से पीछे हटने का एक प्रमुख कारण राष्ट्रीय श्रमिक सम्मेलन द्वारा 20 मई, 2025 को अखिल भारतीय श्रमिक हड़ताल का आह्वान किया जाना था, जो सामान्य रूप से केंद्र की श्रम–विरोधी नीतियों और विशेष रूप से नये श्रम संहिताओं और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के निजीकरण के खिलाफ अपने दो महीने के श्रमिक अभियान के समापन पर आयोजित था। श्रमिक आंदोलन का आह्वान उनकी 17सूत्री मांगों पर जोर देने के लिए किया गया था। इस बीच, 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने 7 मई को पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य जवाबी कार्रवाई की, जिसे ऑपरेशन सिंदूर नाम दिया गया। इसके बाद 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों –इंटक, एटक, हिमस, सीटू, एआईटीयूसी, टीयूसीसी, सेवा, एआईसीसीटीयू, एलपीएफ, और यूटीयूसी – और स्वतंत्र क्षेत्रीय संघों के संयुक्त मंच ने 15 मई को नई दिल्ली में स्थिति की समीक्षा करने के लिए बैठक की और 9 जुलाई को होने वाली मजदूरों की हड़ताल को पुनर्निधारित करने का फैसला किया। 9 जुलाई को होने वाली अंतिम अखिल भारतीय हड़ताल के लिए 20 जून से 8 जुलाई तक पूरे देश में विरोध गतिविधियों के साथ एक तैयारी आंदोलन कार्यक्रम की भी घोषणा की गयी थी। अब तक के तैयारी आंदोलन कार्यक्रम बहुत प्रभावशाली रहे हैं, और इसलिए कोई यह निष्कर्ष निकाल सकता है कि 9 जुलाई की मजदूरों की हड़ताल बहुत बड़ी होगी। बैंक और बीमा यूनियनों ने देशव्यापी हड़ताल में भाग लेने की घोषणा की है। उनकी प्रमुख मांगों में निजीकरण को रोकना, एफडीआई वृद्धि का विरोध और पुरानी पेंशन योजना को बहाल करना शामिल है। संयुक्त किसान मोर्चा सहित किसान और खेत मजदूर संघ भी मजदूरों की हड़ताल में भाग लेंगे, जो देश भर में सड़कों और गलियों में अपनी उपस्थिति के साथ 9 जुलाई की हड़ताल को और भी मजबूत बना देगा। सरकार समर्थित बीएमएस इस हड़ताल में भाग नहीं लेगा। वे न तो हड़ताल का विरोध कर रहे हैं और न ही समर्थन कर रहे हैं, जो 9 जुलाई की हड़ताल को और अधिक महत्वपूर्ण बनाता है। कई अन्य श्रमिक संगठन और कर्मचारी संघ भाग लेने के लिए कूद पड़े हैं। बिहार में विपक्षी महागठबंधन (इंडिया ब्लॉक) दलों ने 9 जुलाई की हड़ताल में भाग लेने का फैसला किया है और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ आवाज बुलंद करेंगे। आरजेडी और सीपीआई (एम)एल ने पहले ही पूरे राज्य में 9 जुलाई को अपने आंदोलन कार्यक्रम तैयार कर लिए हैं। कई खदानों और कोलियारियों के कर्मचारी भी इस हड़ताल में भाग लेने जा रहे हैं। 9 जुलाई की हड़ताल की यह भी एक नयी विशेषता है, क्योंकि परंपरागत रूप से उनके अपने आंदोलन कार्यक्रम होते हैं। ऑल इंडिया रेलवेमेन्स फेडरेशन ने भी हड़ताल का समर्थन किया है। देश भर में आयोजित किये जा रहे तैयारी संबंधी आंदोलन कार्यक्रमों से संकेत मिलता है कि 9 जुलाई की हड़ताल देश की सबसे बड़ी हड़तालों में से एक हो सकती है, जिसमें 20 करोड़ से अधिक कर्मचारी भाग ले सकते हैं।

# भारत के लिए चीन ही है सबसे बड़ा खतरा

**अनिल जैन**

भारत के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत सिर्फ पाकिस्तान से ही नहीं, बल्कि चीन से भी लड़ रहा था। उन्होंने कहा कि मोर्चे पर पाकिस्तान था, जबकि चीन हथियार और अन्य सहायता मुहैया करा रहा था। नई दिल्ली में फिक्की के श्न्यू एज मिलिट्री टेक्नोलॉजीश इवेंटश में उपसेना प्रमुख ने एक बड़ा खुलासा यह किया कि चीन ने पाकिस्तान को हथियार दिए और उन हथियारों की टेस्टिंग के लिए भारत को प्रयोगशाला की तरह इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि चीन हमारे हर रणनीतिक कदम का लाइव अपडेट पाकिस्तान के साथ शेयर कर रहा था। भारतीय सेना के उच्च पदस्थ अफसर के इस खुलासे ने एक बार फिर इस तथ्य को गहराई से रेखांकित किया है कि भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा पहले भी चीन ही था और आज भी चीन ही है। अब तो वह पहले से भी ज्यादा बड़ा खतरा हो गया है, क्योंकि भारत सरकार की कूटनीतिक विफलता के चलते बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव आदि दक्षिण एशिया के लगभग सभी देश चीन के पाले में चले गए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के खिलाफ चीन की जो भूमिका रही है, वह दिवंगत समाजवादी नेता जॉर्ज फर्नांडीज की उस चेतावनी की याद दिलाती है, जिसमें उन्होंने चीन को भारत का दुश्मन नंबर एक करार दिया था। बात 27 साल पुरानी है। तब भी केंद्र में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार थी जिसका नेतृत्व अटल बिहारी वाजपेयी कर रहे थे। मई 1998 में वाजपेयी सरकार ने श्पोखरण–2श परमाणु परीक्षण किया था, जिसकी वजह से अमेरिका ने भारत को काली सूची में डाल दिया था। उस विस्फोट के बाद ही एनडीए सरकार के रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीज ने अपने एक चौंकाने वाले बयान में सामरिक दृष्टि से चीन को भारत का दुश्मन नंबर एक करार दिया था। जॉर्ज का यह बयान निश्चित ही ठोस सूचनाओं पर आधारित रहा होगा, जो रक्षा मंत्री होने के नाते उन्हें हासिल हुई होंगी। मगर उनका यह बयान कई लोगों को रास नहीं आया था। उनके ही कई साथी मंत्रियों ने उनके इस बयान पर नाक–भौं सिकोड़ी थी। आज की तरह उस समय भी कांग्रेस विपक्ष में थी और उसे ही नहीं, बल्कि एनडीए की नेतृत्वकारी भारतीय जनता पार्टी और उसके पितृ संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को भी जॉर्ज का यह बयान नागवार गुजरा था। वामपंथी दलों को तो स्वाभाविक रूप से जॉर्ज की यह साफगोई नहीं ही सुहा सकती थी, सो नहीं सुहाई थी। यह दिलचस्प था कि संघ और वामपंथियों के रूप में दो परस्पर विरोधी विचारधारा वाली ताकतें इस मुद्दे पर एक सुर में बोल रही थीं, ठीक वैसे ही जैसे दोनों ने अलग–अलग कारणों से 1942 में श्भारत छोड़ो आंदोलनश का विरोध किया था। जॉर्ज के इस बयान के विरोध के पीछे भी दोनों की प्रेरणाएं अलग–अलग थीं। संघ परिवार जहां अपनी चिर–परिचित मुस्लिम विरोधी ग्रंथी के चलते पाकिस्तान के अलावा किसी और देश को भारत के लिए सबसे बड़ा खतरा नहीं मान सकता था, वहीं वामपंथी दल चीन के साथ अपने वैचारिक बिरादराना रिश्तों के चलते जॉर्ज के बयान को खारिज कर रहे थे। कई तथाकथित रक्षा विशेषज्ञों और विश्लेषकों समेत मीडिया के एक बड़े हिस्से ने भी इसके लिए जार्ज की काफी लानत–मलानत की थी। जॉर्ज अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन चीन को लेकर उनका आकलन समय की कसौटी पर बीते दो दशकों के दौरान कई बार सही साबित हुआ है। इस समय भी चीन का रवैया जॉर्ज के कहे की तसदीक कर रहा है। वैसे न तो चीनी खतरा भारत के लिए नया है और न ही उससे आगाह करने वाले जॉर्ज अकेले राजनेता रहे। 2017 में चीन की सेना जब डोकलाम में कई किलोमीटर अंदर तक घुस आई थी, तब संयुक्त मोर्चा सरकार में रक्षा मंत्री रहे मुलायम सिंह यादव ने भी अपने अनुभव के आधार पर चीनी खतरे के प्रति सरकार को आगाह किया था। इस मसले पर लोकसभा में बहस के दौरान मुलायम सिंह ने दो टूक कहा था कि भारत की सुरक्षा को सबसे बड़ा खतरा चीन से ही है और सरकार उसे हल्के में न ले। दरअसल चीन ने जब तिब्बत पर कब्जा किया था, तब से ही वह भारत के लिए खतरा बना हुआ है। देश को सबसे पहले इस खतरे की चेतावनी डॉ. राममनोहर लोहिया ने दी थी। तिब्बत पर चीनी हमले को उन्होंने शिशु हत्या करार देते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से कहा था कि वे तिब्बत पर चीनी कब्जे को मान्यता न दें, लेकिन नेहरू ने लोहिया की सलाह मानने के बजाय चीनी नेता चाऊ एनलाई से अपनी दोस्ती को तरजीह देते हुए तिब्बत को चीन का अविभाज्य अंग मानने में जरा भी देरी नहीं की। यह वह समय था जब भारत को आजाद हुए महज 11 वर्ष हुए थे और माओ की सरपरस्ती में चीन की लाल क्रांति भी नौ साल पुरानी ही थी। हमारे पहले प्रधानमंत्री नेहरू तब श्समाजवादी भारतश का सपना देख रहे थे, जिसमें चीन से युद्ध की कोई जगह नहीं थी। उधर माओ को पूरी दुनिया के सामने जाहिर करना था कि साम्यवादी कट्टरता के मामले में वे लेनिन और स्टालिन से भी आगे हैं। तिब्बत पर कब्जा उनके इसी मंसूबे का नतीजा था। इतना सब होने के बावजूद लगभग एक दशक तक भारत–चीन के बीच राजनयिक रिश्ते अच्छे रहे। दोनों देशों के शीर्ष नेताओं ने एक–दूसरे के यहां कई यात्राएं कीं, लेकिन 1960 का दशक शुरू होते–होते चीनी नेतृत्व के विस्तारवादी इरादों ने अंगड़ाई लेना शुरू कर दी और भारत के साथ उसके रिश्ते शीतकाल में प्रवेश कर गए। तिब्बत जब तक आजाद देश था, तब तक चीन और भारत के बीच कोई सीमा विवाद नहीं था क्योंकि तब भारतीय सीमाएं सिर्फ तिब्बत से मिलती थीं। लेकिन चीन द्वारा तिब्बत को हथिया लिए जाने के बाद वहां तैनात चीनी सेना भारतीय सीमा का अतिक्रमण करने लगी। उन्हीं दिनों चीन द्वारा जारी किए गए नक्शों से भारत को पहली बार झटका लगा। उन नक्शों में भारत के सीमावर्ती इलाकों के साथ ही भूटान के भी कुछ हिस्से को चीन का भू–भाग बताया गया था। चूंकि इसी दौरान भारत यात्रा पर आए तत्कालीन चीनी नेता चाऊ एनलाई नई दिल्ली में पंडित नेहरू के साथ हिंदी–चीनी भाई–भाई का नारा लगाते हुए शांति के कबूतर उड़ा चुके थे, लिहाजा भावुक भारतीय नेतृत्व को भरोसा था कि सीमा विवाद बातचीत के जरिए निपट जाएगा। मगर 1962 का अक्टूबर महीना भारतीय नेतृत्व के भावुक सपनों के ध्वस्त होने का रहा, जब चीन की सेना ने पूरी तैयारी के साथ भारत पर हमला बोल दिया। हमारी सेना के पास मौजूं सैन्य साजो–सामान का अभाव था। लिहाजा भारत को पराजय का कड़ुवा घूंट पीना पड़ा और चीन ने अपने विस्तारवादी नापाक मंसूबों के तहत हमारी हजारों वर्ग मील जमीन हथिया ली। इस तरह तिब्बत पर चीनी कब्जे के वक्त लोहिया द्वारा जताई गई आशंका सही साबित हुई। चीन से मिले इस गहरे जख्म के बाद दोनों देशों के रिश्तों में लगभग डेढ़ दशक तक बर्फ जमी रही जो 1970 के दशक के उत्तरार्ध में केंद्र में पहली गैर कांग्रेसी सरकार बनने पर कुछ हद तक हटी। दोनों देशों के बीच एक बार फिर राजनयिक रिश्तों की बहाली हुई। तब से लेकर अब तक दोनों देशों के बीच राजनयिक रिश्ते भी बने हुए हैं और पिछले ढाई दशक के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार में भी 32 गुना इजाफा हो गया है। लेकिन इस सबके बावजूद चीन के विस्तारवादी इरादों में कोई तब्दीली नहीं आई है। कभी उसकी सेना हमारे यहां लद्दाख में घुस आती है तो कभी सिक्किम में और कभी अरुणाचल में। अपने नक्शों में भी वह जब–तब इन इलाकों को अपना बता देता है। उसके ऐसा करने का सिलसिला पिछले एक दशक के दौरान काफी तेज हो गया है, जिसके चलते दो–तीन मर्तबा दोनों देशों की सेनाएं भी आमने–सामने आ चुकी हैं। अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख में तो चीनी सेना कई किलोमीटर तक अंदर आकर अपनी चौकियां कायम कर चुकी हैं लेकिन सरकार के उसकी इन हरकतों पर कभी गंभीरता नहीं दिखाई। उसने अपने घरेलू राजनीतिक तकाजों के मद्देनजर हमेशा पाकिस्तान को ही भारत के लिए बड़ा खतरा माना।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

# छात्रों के साथ अन्याय

इस साल अप्रैल में एक सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि किसी भी देश का भविष्य उसकी युवा पीढ़ी पर निर्भर होता है, इसलिए यह जरूरी है कि हम अपने युवाओं के भविष्य के लिए और उन्हें भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए तैयार करें। इसमें बड़ी भूमिका देश की शिक्षा प्रणाली की भी होती है, इसलिए हम देश की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के मुताबिक आधुनिक बना रहे हैं। जब श्री मोदी यह भाषण दे रहे थे, तब उन्हें देश पर शासन करते 10 साल से अधिक का वक्त गुजर चुका था, लेकिन वे तब भी यही कह रहे थे कि हम ऐसा कर रहे हैं। नरेन्द्र मोदी यह नहीं कह पाए कि हम ऐसा कर चुके हैं। 10 साल तक पूर्ण बहुमत की सरकार चलाने के दौरान नरेन्द्र मोदी ने कई ऐसे फैसले लिए जो कई दशकों में नहीं लिए जा सके थे। जम्मू–कश्मीर के विभाजन से लेकर राम मंदिर के निर्माण तक भाजपा के घोषणापत्र में दर्ज कई वादों को प्रधानमंत्री मोदी ने पूरा किया और इसी के बूते दावा किया कि उनकी सरकार मजबूत है। लेकिन यह मजबूती शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में क्यों नहीं दिखी, यह बड़ा सवाल है। क्या भाजपा की प्राथमिकता में युवाओं की उच्च शिक्षा और बेहतर रोजगार नहीं है। अगर ऐसा है तो फिर नरेन्द्र मोदी युवाओं के भविष्य और देश के उज्ज्वल भविष्य की जो बातें करते हैं क्या वे बेमानी हैं। ये सवाल इस समय एक और वजह से उठ रहा है। इस साल फरवरी में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने सत्र 2025–26 के लिए राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति (एनओएस) योजना के लिए आवेदन मंगाए थे। मंत्रालय ने बताया था कि यह छात्रवृत्ति विशेष रूप से उन छात्रों के लिए है जो वित्तीय कठिनाइयों के कारण उच्च शिक्षा प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं। इस योजना के अंतर्गत चुने गए छात्रों को ट्यूशन फीस, रहने की व्यवस्था, स्वास्थ्य बीमा और यात्रा खर्च जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, जिससे वे विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें और अपने करियर को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकें। यह सब पढ़ने–सुनने में कितना लुभावना लगता है कि मेधावी छात्रों को श्रेष्ठ संस्थानों से शिक्षा हासिल करने का अवसर मिले, इसमें आर्थिक बाधा न आए, इसका ख्याल सरकार रख रही है। कायदे से हर लोककल्याणकारी सरकार की यही जिम्मेदारी भी होती है। लेकिन फिलहाल ये सारी बातें आकाश कुसुम ही साबित हो रही हैं। क्योंकि सत्र 2025–26 के लिए राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति (एनओएस) योजना के लिए पहले दौर में जिन 106 उम्मीदवारों का चयन किया गया है, उनमें केवल शीर्ष 40 छात्रों को ही तुरंत प्रोविजनल पुरस्कार पत्र जारी किए जाएंगे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने 1 जुलाई को जो अधिसूचना जारी की है, उसके अनुसार, शेष 66 उम्मीदवारों को उपलब्ध निधियों के आधार परश आगे के विचार के लिए रखा गया है। मतलब 66 होनहार छात्रों का भविष्य अब इस बात पर टिका है कि सरकार के पास उन्हें विदेशों में पढ़ाने के लिए फंड है या नहीं। बता दें कि इस छात्रवृत्ति के लिए 19 मार्च से 27 अप्रैल के बीच एनओएस पोर्टल पर कुल 440 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें से आवेदनों की जांच के बाद 106 अभ्यर्थियों का चयन किया गया, जबकि 64 अन्य पात्र होने के बावजूद चयनित नहीं हो सके। मंत्रालय ने कहा कि ये 64 आवेदक विश्वविद्यालयों की वैश्विक (क्यूएस) रैंकिंग, राज्यवार कोटा और श्रेणी–विशेष आरक्षण जैसे कारणों से चयन से वंचित रह गए। वहीं 270 आवेदनों को अयोग्यता, अधूरे दस्तावेज या अन्य कारणों से खारिज कर दिया गया। जिन्होंने सारे दस्तावेज के साथ आवेदन नहीं किया, उनका खारिज होना तो वाजिब है। मगर जो छात्रवृत्ति पाने के काबिल हैं, उन्हें किसी बहाने से चयन से बाहर करना छात्रों के साथ नाइंसाफी है। और उससे भी बढ़ी नाइंसाफी तो यह है कि जिनका चयन हो गया है, उन्हें सरकार के पास धन न होने के कारण बाहर पढ़ने से रोका जा रहा है। और यह सब उस सरकार में हो रहा है, जो गैरजरूरी चीजों में बेतहाशा पैसे बहा रही है। अभी दो दिनों में कांवड़ यात्रा शुरु हो जाएगी। इस बार दिल्ली सरकार ने कांवड़ समितियों को 50 हजार से 10 लाख तक का भुगतान करने का फैसला लिया है, कांवड़ यात्रियों को मुफ्त बिजली, शिविर, खाने–पीने आदि की सुविधाएं मिलेंगी और यह सब जनता के दिए टैक्स से ही खर्च होगा। उत्तरप्रदेश में तो योगी सरकार कांवड़ यात्रियों पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाती है। 2018 में योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से फूल बरसाने पर 14 लाख रूपए खर्च किए थे। अभी जो महाकुंभ लगा था, उस पर 7500 सौ करोड़ रूपए खर्च हुए। पिछले साल राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर 113 करोड़ रुपये खर्च हुए। उससे पहले मंदिर निर्माण पर 1,800 करोड़ रुपये खर्च किए गए। यह सब तो धार्मिक खर्च है। सरकार ने नए संसद भवन समेट पूरे सेंट्रल विस्टा को बनाने में 26 सौ करोड़ लोकतंत्र के नाम पर खर्च कर दिए और अब आलम ये है कि लोक भी रो रहा है और तंत्र भी बर्बाद हो रहा है। इन सारे खर्चों में अगर मामूली कटौती भी की जाती तो करोड़ों छात्रों का भविष्य संवर जाता। सरकारी आयोजनों में ही जो साज–सज्जा की जाती है, मंच को फूलों से सजाने से लेकर वीडियोग्राफी जैसे तामझामों में करोड़ों रूपए बहाए जाते हैं, जिनकी उपयोगिता केवल कुछ घंटों की होती है। अगर उन रूपयों को भी बचा लिया जाए तो देश में अच्छे शिक्षा संस्थान बनाए जा सकते हैं या पहले से बने संस्थानों को इतना अच्छा किया जा सकता है कि बच्चों को बाहर जाकर पढ़ने की मजबूरी ही नहीं रहे। लेकिन फिर वही प्राथमिकता का सवाल आ जाता है। सरकार की प्राथमिकता में दिखावा है, शिक्षा नहीं है। इसलिए बच्चों के बेहतर भविष्य की बात करने का दिखावा होता है, उसका इंतजाम नहीं राहुल गांधी ने कहा है कि, जब कोई दलित, पिछड़ा या आदिवासी छात्र पढ़ना चाहता है, तभी मोदी सरकार को बजट याद आता है। नेशनल ओवरसीज स्कॉलरशिप में चयनित 106 में से 66 वंचित छात्रों को सिर्फ इसलिए विदेश में पढ़ने की स्कॉलरशिप नहीं दी गई क्योंकि सरकार के पास फंड नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी की विदेश यात्राओं, प्रचार और इवेंटबाजी पर हजारों करोड़ रुपये बेहिचक खर्च किए जाते हैं। बीजेपी–आरएसएस नेताओं के बच्चों को कहीं पढ़ने पर कोई अड़चन नहीं है। मगर, जैसे ही कोई बहुजन छात्र आगे बढ़ता है, पूरा सिस्टम अड़ंगा लगाने लगता है। ये सिर्फ अन्याय नहीं, भाजपा का खुला बहुजन शिक्षा विरोध है। यही मनुवादी सोच आज फिर से एकलव्य का अंगूठा मांग रही है। मोदी सरकार को यह अमानवीय फैसला तुरंत पलटना होगा और इन 66 छात्रों को विदेश भेजना ही होगा। हम बहुजनों से शिक्षा का यह मौलिक अधिकार छिनने नहीं देंगे। राहुल गांधी की आपत्ति वाजिब है, लेकिन सरकार को इस अन्याय से कोई फर्क पड़ता नहीं दिख रहा है।

# बाहुबली की 'अवंतिका' बनी सिनेमा की अमर वीरांगना, तमन्ना भाटिया का 10 साल पुराना जादू बरकरार

> अपने आकर्षक रूप, आकर्षक ताकत और जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस के साथ, तमन्ना ने सचमुच एक योद्धा की भावना को साकार किया। चाहे वह युद्ध में कूद रही हों या चुपचाप अपने आस-पास की अराजकता को देख रही हों, उन्होंने अवंतिका में एक ऐसी गहराई ला दी जिसने इस किरदार को अविस्मरणीय बना दिया।

बाहुबली में अवंतिका का किरदार तमन्ना भाटिया ने निभाया था, जो समय के साथ फीका नहीं पड़ता, बल्कि यादगार बन जाता है। आज जब इस महाकाव्य फिल्म ने अपने 10 साल पूरे कर लिए हैं, प्रशंसक एक बार फिर उस सिनेमाई कृति में उनकी शानदार उपस्थिति का जश्न मना रहे हैं जिसने भारतीय फिल्म निर्माण की दिशा बदल दी। अपने आकर्षक रूप, आकर्षक ताकत और जबरदस्त स्क्रीन प्रेजेंस के साथ, तमन्ना ने सचमुच एक योद्धा की भावना को साकार किया। चाहे वह युद्ध में कूद रही हों या चुपचाप अपने आस–पास की अराजकता को देख रही हों, उन्होंने अवंतिका में एक ऐसी गहराई ला दी जिसने इस किरदार को अविस्मरणीय बना दिया। बाहुबली सिर्फ एक फिल्म नहीं थीय यह एक अभूतपूर्व घटना थी। एस.एस. राजामौली द्वारा निर्देशित, इस फिल्म ने भाषाई बाधाओं को तोड़ते हुए वैश्विक स्तर पर भारतीय सिनेमा को एक नई परिभाषा दी। विशाल सेटों, भीषण युद्ध दृश्यों और पौराणिक भव्यता के बीच, तमन्ना ने अपने लिए एक ऐसी जगह बनाई जो सशक्त और काव्यात्मक दोनों थी। एक्शन और पुरुष किरदारों से भरपूर फिल्म में किसी नायिका का इतना चमकना दुर्लभ है, लेकिन तमन्ना ने ऐसा ही किया। वह बाहुबली जैसी विशाल और विशिष्ट फिल्म का हिस्सा बनने वाली एकमात्र अभिनेत्री हैं, और एक दशक बाद भी उनका अभिनय एक संदर्भ बिंदु बना हुआ है। फिल्म के सबसे पसंदीदा पहलुओं में से एक तमन्ना और प्रभास के बीच की जबरदस्त केमिस्ट्री थी। उनके साथ के दृश्यों में तीव्रता और कोमलता का एक अद्भुत संतुलन था, जिसने दर्शकों को गहराई से प्रभावित किया। उनकी पहली मुलाकात से लेकर उनके रोमांटिक दृश्यों तक, एक सहज जुड़ाव था जिसने कहानी को और भी ऊँचा बना दिया। बाहुबली के 10 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए, तमन्ना द्वारा पर्दे पर दिखाए गए शान और धैर्य की सराहना न करना असंभव है। उनकी भूमिका भारतीय सिनेमा में एक महिला योद्धा के सबसे शानदार चित्रणों में से एक है, जो कालातीत, प्रभावशाली और बिल्कुल प्रतिष्ठित है। वर्कफ्रंट की बात करें तो, तमन्ना अगली बार डेयरिंग पार्टनर्स, रेंजर, वीवीएएन और जॉन अब्राहम के साथ एक अनाम फिल्म में दिखाई देंगी।

# उदयपुर फाइल्स फिल्म पर बढ़ा विवाद, अबू आजमी ने विधानसभा में की बैन की मांग

कन्हैया लाल टेलर मर्डर केस पर आधारित फिल्म उदयपुर फाइल्स को लेकर विवाद लगातार बढ़ता जा रहा है। फिल्म की 11 जुलाई को प्रस्तावित रिलीज से पहले कई संगठन और राजनेता इसके खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं। अब इस विवाद में समाजवादी पार्टी भी कूद पड़ी है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र विधानसभा सदस्य अबू आसिम आजमी ने विधानसभा में इस मुद्दे को उठाते हुए फिल्म पर तत्काल बैन लगाने की मांग की है। भिवंडी से विधायक और समाजवादी पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष अबू आसिम आजमी ने आरोप लगाया कि यह फिल्म समाज में नफरत फैलाने का प्रयास है। उन्होंने कहा, उदयपुर फाइल्स' फिल्म के जरिए नफरत फैलाने की कोशिश की जा रही है। अगर यह फिल्म रिलीज होती है तो कानून–व्यवस्था की स्थिति बिगड़ सकती है। इसलिए सरकार को तत्काल इस फिल्म पर रोक लगानी चाहिए। इससे पहले जमीयत उलेमा–ए–हिंद और जमाअत–ए–इस्लामी ने भी फिल्म की रिलीज पर आपत्ति जताई थी। जमीयत के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने दिल्ली हाई कोर्ट में एक याचिका दायर की है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि फिल्म में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाले दृश्य हैं और यह धार्मिक भावनाएं आहत कर सकती है। साथ ही, उन्होंने सोशल मीडिया से फिल्म का ट्रेलर हटाने की भी मांग की है।गौरतलब है कि फिल्म उदयपुर फाइल्स वर्ष 2022 के बहुचर्चित कन्हैया लाल टेलर मर्डर केस पर आधारित है। 28 जून 2022 को राजस्थान के उदयपुर में दो हमलावर ग्राहक बनकर कन्हैया लाल की दुकान में घुसे थे। जैसे ही कन्हैयालाल एक हमलावर का नाप लेने लगे, दूसरे हमलावर ने उन पर चाकू से हमला कर दिया और उनका सिर कलम कर दिया। इस दिल दहला देने वाली घटना को हमलावरों ने कैमरे में रिकॉर्ड किया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिससे पूरे देश में आक्रोश फैल गया था। उदयपुर फाइल्स के निर्माता इसे 11 जुलाई 2025 को रिलीज करने की तैयारी में हैं। लेकिन इसे लेकर बढ़ते विरोध और कानूनी चुनौतियों के चलते फिल्म की रिलीज को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। अब यह देखना होगा कि अदालत और सेंसर बोर्ड इस पर क्या निर्णय लेते हैं।

# बैटल ऑफ गलवान के लिए तैयार हो रहे हैं सलमान खान ? अपूर्व लाखिया की बीटीएस से बढ़ा सस्पेंस!

डिजिटल। सलमान खान उन सबसे बड़े सुपरस्टार्स में से एक हैं जो लोगों के दिलों पर राज करते हैं और बॉक्स ऑफिस पर भी छाए रहते हैं। जहां फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं कि वह अगली बार क्या लेकर आ रहे हैं, वहीं सलमान इस वक्त अपनी आने वाली फिल्म बैटल ऑफ गलवान के लिए तैयारियां कर रहे हैं, जो गलवान संघर्ष पर आधारित है। सलमान खान ने जब फिल्म का मोशन पोस्टर शेयर किया, जिसमें वो एक जबरदस्त और धमाकेदार लुक में नजर आए, तो हर कोई आने वाली फिल्म को लेकर और भी ज्यादा उत्साहित हो गया। अब निर्देशक अपूर्व लाखिया द्वारा शेयर किया गया एक बिहाइंड–द–सीन वीडियो इंटरनेट पर चर्चा का विषय बन गया है, जिसमें लोग अंदाजा लगा रहे हैं कि क्या सलमान इस फिल्म के लिए जबरदस्त एक्शन सीन की तैयारी कर रहे हैं। इस छोटे से वीडियो क्लिप में एक धुंधली सी परछाईं नजर आती है, जो सलमान खान जैसी लग रही है। इसमें जबरदस्त एक्शन कोरियोग्राफी की रिहर्सल होती दिख रही है, जिसे मच अवेटेड वॉर ड्रामा बैटल ऑफ गलवान से जोड़ा जा रहा है। हालांकि वीडियो में सीधे तौर पर कुछ भी पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन फैन्स ने तुरंत अंदाजा लगा लिया कि ये शायद सलमान खान ही हैं। ऐसे में उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है – प्रैक्टिस से आप परफेक्ट होते हैं,नो पेन नो गेन....

## शादी के 4 साल बाद राजकुमार राव और पत्रलेखा बनने वाले हैं पेरेंट्स, सोशल मीडिया पर दी प्रेग्नेंसी की घोषणा

बॉलीवुड सेलिब्रिटी जोड़ी राजकुमार राव और पत्रलेखा 9 जुलाई, 2025 को अपनी प्रेग्नेंसी की घोषणा करके बेहद खुश हैं। इस जोड़े ने एक संयुक्त सोशल मीडिया पोस्ट के ज़रिए यह खुशखबरी साझा की और अपने जीवन के एक नए अध्याय का स्वागत करने की तैयारी में अपनी उत्सुकता व्यक्त की। उन्होंने नवंबर 2021 में शादी की थी।

राजकुमार राव–पत्रलेखा ने की प्रेग्नेंसी की घोषणा

राजकुमार राव और पत्रलेखा ने सोशल मीडिया पर यह खुशखबरी साझा की, जिसमें लिखा था, ष्बच्चा आने वाला है।ष यह घोषणा तेज़ी से वायरल हुई और कई अभिनेताओं, मशहूर हस्तियों और फिल्म जगत के सदस्यों ने कमेंट सेक्शन में भावी माता–पिता के लिए प्यार और बधाई की बाढ़ ला दी। सोनाक्षी सिन्हा, नुसरत भरुचा, पुलकित सम्राट, ईशा गुप्ता, भूमि पेडनेकर, मानुषी छिल्लर, हुमा कुरैशी और फराह खान सहित कई अन्य लोगों ने हार्दिक शुभकामनाएँ भेजीं।

बधाई संदेश

भूमि पेडनेकर, तृप्ति डिमरी, भारती सिंह, नेहा धूपिया, ईशा गुप्ता और कियारा आडवाणी समेत कई हस्तियों ने इंस्टाग्राम पर इस जोड़े को बधाई दी। फराह खान ने मज़ाक करते हुए लिखा, आखिरकार, खबर सामने आ ही गई!! मुझे इसे अपने तक ही सीमित रखने में मुश्किल हो रही थी। बधाई हो। सोनम कपूर ने लिखा, आप दोनों के लिए बहुत खुश हूँ, मेरे प्यारे दोस्तों।

काम की बात करें

काम की बात करें तो, 40 वर्षीय राजकुमार राव शुक्रवार, 11 जुलाई को अपनी फिल्म मालिक की रिलीज़ का इंतज़ार कर रहे हैं। उन्हें स्त्री 2, श्रीकांत, बधाई दो, ट्रैप्ड और शाहिद जैसी फिल्मों में उनके प्रशंसित अभिनय के लिए जाना जाता है। इस बीच, पत्रलेखा, जिन्होंने हंसल मेहता की फिल्म सिटीलाइट्स से अपने पति के साथ डेब्यू किया था, हाल ही में प्रतीक गांधी के साथ फुले में नज़र आईं। उन्होंने आईसी 814रू द कंधार हाईजैक और मैं हीरो बोल रहा हूँ जैसे शोज़ में भी काम किया है। इस जोड़े ने हाल ही में अपना प्रोडक्शन हाउस, काम्पा फ़िल्म, लॉन्च किया है। काम्पा नाम का अपना एक अलग ही महत्व है, उन्होंने बताया कि यह उनकी माताओं के नाम के पहले अक्षरों से मिलकर बना है। पत्रलेखा ने कहा कि यह नाम उन्हें श्रद्धांजलि देता है।

## कड़ी सुरक्षा के साथ सलमान खान अपनी पूर्व प्रेमिका संगीता बिजलानी की जन्मदिन पार्टी में शामिल हुए

सलमान खान और संगीता बिजलानी ने लगभग एक दशक तक एक–दूसरे को डेट किया और शादी करने वाले थे। हालाँकि, उनकी शादी टूट गई। लेकिन, उन्होंने एक सौहार्दपूर्ण रिश्ता बनाए रखा है और अक्सर एक–दूसरे का समर्थन करते हुए देखे जाते हैं। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान बुधवार रात अभिनेत्री और अपनी पूर्व साथी संगीता बिजलानी के 65वें जन्मदिन समारोह में शामिल हुए। सिकंदर अभिनेता ने पार्टी में स्टाइलिश एंट्री के लिए भारी + सुरक्षा और अपने निजी अंगरक्षक शेरा के साथ सार्वजनिक रूप से कदम रखा। संगीता बिजलानी की जन्मदिन पार्टी में पहुँचते समय सलमान खान थोड़े उदास दिखे, जबकि पपराज़ी उनकी तस्वीरें खींच रहे थे। 59 वर्षीय स्टार ने पार्टी स्थल के बाहर खड़े फोटोग्राफरों को पोज़ नहीं दिया और सीधे संगीता बिजलानी से मिलने अंदर चले गए। बुधवार को, सलमान अपने सुरक्षा गार्डों के साथ बांद्रा में संगीता की जन्मदिन पार्टी में शामिल होने के लिए शहर में निकले। सलमान ने संगीता के 65वें जन्मदिन के जश्न के लिए काली टी–शर्ट और डेनिम जींस का एक साधारण कॉम्बो चुना और अपने पहनावे को आरामदायक और स्टाइलिश बनाए रखा। वह फिट दिख रहे थे और उनके बालों का रंग भी नया था। कैमरों के सामने पोज़ देते हुए वह काफ़ी गंभीर लग रहे थे। उनके हाव–भाव ने प्रशंसकों और पपराज़ी का ध्यान खींचा। हालाँकि, जब उन्होंने एक नन्हे प्रशंसक को देखा और उससे बातचीत करने लगे, तो उनका मूड बदल गया। इस पल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है।वीडियो में एक दिल को छू लेने वाला पल कैद है जब सलमान एक नन्हे प्रशंसक को देखकर आयोजन स्थल के गेट पर रुकते हैं और बच्चे से बातचीत करते हैं, यहाँ तक कि लिफ्ट में जाने से पहले उनके साथ एक तस्वीर भी खिंचवाते हैं। जैसे ही सलमान खान समारोह से निकलकर अपनी गाड़ी की ओर बढ़े, प्रशंसकों ने उन्हें घेर लिया। एक प्रशंसक ने उनके कंधे पर थपथपाकर सेल्फी लेने की कोशिश की, लेकिन सुरक्षाकर्मियों ने बीच में आकर उन्हें फोटो खिंचवाने से रोक दिया, और सलमान जल्दी से अपनी गाड़ी में बैठकर चले गए।

# फेस पर एक्स्ट्रा ऑयल हटाने के लिए लगाएं ये फेस पैक, मिलेगा गजब का निखार

हम सभी चाहते हैं कि हमारी स्किन ग्लोइंग और साफ हो। इसके लिए हम सभी जरूरी स्किन केयर भी करते हैं। लेकिन जब फेस पर एक्स्ट्रा ऑयल को कम करने की बात आती है, तो हम स्क्रब करते हैं। लेकिन आप ऑयल को कंट्रोल करने के लिए फेस पैक की मदद ले सकते हैं। इससे आपकी स्किन पर मौजूद एक्स्ट्रा गंदगी साफ हो जाएगी। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको ऑयल कंट्रोल करने के लिए कुछ फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको अप्लाई करके आप ऑयल फ्री स्किन पा सकती हैं, साथ ही इससे आपकी स्किन भी साफ और ग्लोइंग नजर आएगी।

फेस पैक लगाने के फायदे

फेस पैक को लगाने से चेहरे पर मौजूद एक्सट्रा गंदगी साफ हो जाती है। साथ ही, चेहरे का रंग भी निखरता है। इसका इस्तेमाल आप हफ्ते में 1 बार करें। इसके बाद आपको पार्लर जानें कि या महंगे प्रोडक्ट को इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। आपकी त्वचा में नेचुरली निखार नजर आएगा। बस आपको ऑयली त्वचा के हिसाब से फेस पैक की सामग्री को चूज करना होगा।

चंदन और दही का फेस पैक

आप चंदन और दही का फेस पैक चेहरे पर लगा सकती हैं। इस तरह के फेस पैक को लगाने से आपकी स्किन साफ हो जाएगी। साथ ही इससे आपके फेस पर अलग निखार आएगा और इस फेस पैक को आसान तरीके से बना सकती हैं।

ऐसे बनाएं चंदन और दही का फेस पैक

इस फेस पैक को बनाने के लिए एक कटोरी में 2 चम्मच चंदन पाउडर लें।

फिर इसमें 2 चम्मच दही मिक्स करें।

अब थोड़ी सी हल्दी मिलाकर पेस्ट बना लें।

अब इसको फेस पर अप्लाई करें और सूखने के लिए छोड़ दें।

कुछ देर बाद जब यह सूख जाए, तो नॉर्मल पानी से फेस को हाथों से रब करते हुए साफ करें।

इस फेस पैक को लगाने से चेहरे पर मौजूद एक्स्ट्रा ऑयल साफ हो जाएगा।

मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा जेल फेस पैक

अगर आपके फेस पर ऑयल के कारण से रेडनेस होने लगी है, तो आप एलोवेरा जेल और मुल्तानी मिट्टी को मिलाकर फेस पैक लगाएं। इस तरह के फेस पैक को लगाने से आपकी स्किन में मौजूद आसानी से साफ हो जाएगी। इससे आपके फेस पर ग्लोइंग नजर आएगी।

ऐसे बनाएं मुल्तानी मिट्टी और एलोवेरा जेल फेस पैक

सबसे पहले एक कटोरी में मुल्तानी मिट्टी का पाउडर लें।

फिर इसमें 2 चम्मच एलोवेरा जेल को मिक्स करें।

अब हल्का सा पानी डालकर अच्छे से मिक्स करें और ब्रश की मदद से फेस पर अप्लाई करें।

फिर 20 मिनट बाद इसको पानी से साफ कर लें।

इससे आपकी स्किन साफ और ग्लोइंग नजर आएगी।

इन फेस पैक को लगाने से आपकी स्किन साफ नजर आएगी। वहीं आपके फेस पर अलग सा निखार दिखाई देगा। आप सही तरह से इन फेस पैक को बनाकर लगाना है। साथ ही आपको ऑयली स्किन से भी छुटकारा मिल जाएगा।

# नाग पंचमी पर करें ये 3 खास उपाय, कालसर्प दोष से मिलेगी मुक्ति, जीवन में आएगी सुख-शांति और समृद्धि

सावन का महीना हिन्दू धर्म में अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस महीने में भगवान शिव की विशेष रूप से पूजा की जाती है। पूरे महीने शिव भक्त व्रत, उपवास और रुद्राभिषेक जैसे अनुष्ठानों के माध्यम से भगवान शिव को प्रसन्न करते हैं। इसी सावन महीने में एक महत्वपूर्ण त्योहार आता है नाग पंचमी। इस दिन सर्प देवता की पूजा की जाती है। मान्यता है कि इस दिन जो व्यक्ति नाग देवता की श्रद्धा से पूजा करता है, उसे जीवन में कभी भी सर्प दोष या कालसर्प दोष का सामना नहीं करना पड़ता।

नाग पंचमी का महत्व

नाग पंचमी के दिन जीवित नागों को दूध पिलाया जाता है और पूजा की जाती है। यह विश्वास किया जाता है कि नागों को अर्पित की गई पूजा सामग्री सीधे नागलोक पहुंचती है और नाग देवता अपने भक्तों से प्रसन्न होकर उन्हें सुख, समृद्धि और धन का आशीर्वाद देते हैं। जिन लोगों पर नाग देवता की कृपा होती है उन्हें जीवन में कई तरह की बाधाओं से छुटकारा मिलता है और उनके जीवन में सुख–शांति बनी रहती है।

2025 में नाग पंचमी कब है?

द्रिक पंचांग के अनुसार, हर वर्ष सावन माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को नाग पंचमी मनाई जाती है। साल 2025 में पंचमी तिथि की शुरुआत 28 जुलाई की रात 11रू24 बजे से होगी और यह तिथि 30 जुलाई की सुबह 12रू46 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के आधार पर 29 जुलाई 2025, मंगलवार को नाग पंचमी मनाई जाएगी। नाग पंचमी की पूजा का सबसे शुभ मुहूर्त सुबह 5रू41 बजे से 8:23 बजे तक है। इस समय नाग देवता की पूजा करना अत्यंत फलदायी माना जाता है।

नाग पंचमी के विशेष उपाय

कालसर्प दोष से मुक्ति पाने का उपाय

अगर किसी व्यक्ति की कुंडली में कालसर्प दोष है, तो नाग पंचमी के दिन यह उपाय अवश्य करना चाहिएरू

किसी प्राचीन शिव मंदिर में जाकर नाग देवता की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करवाएं।

उसके बाद नियमित रूप से नाग देवता की पूजा करें।

नाग देवता को कच्चा दूध अर्पित करें और सच्चे मन से प्रार्थना करें।

इस उपाय को श्रद्धा से करने पर कालसर्प दोष से स्थायी मुक्ति मिल सकती है।

मनोकामना पूर्ति का अचूक उपाय

अगर आपकी कोई इच्छा लंबे समय से पूरी नहीं हो रही है, तो नाग पंचमी के दिन यह सरल उपाय करें

अपने घर में नाग देवता की मूर्ति या तस्वीर स्थापित करें।

उन्हें हल्दी, रोली, अक्षत (चावल), फूल, दूध और घी अर्पित करें।

नाग पंचमी की कथा पढ़ें या सुनें।

फिर सर्प देवता की आरती उतारें और मन से अपनी इच्छा कहें।

इस उपाय से नाग देवता की विशेष कृपा प्राप्त होती है और आपकी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

गृह क्लेश से मुक्ति का उपाय

अगर घर में अक्सर झगड़े, तनाव या नकारात्मकता बनी रहती है, तो नाग पंचमी के दिन यह उपाय करेंरू

सबसे पहले शिव जी और नाग देवता की पूजा करें।

पूजा के बाद एक बाल्टी में फिटकरी, समुद्री नमक और गौमूत्र मिलाएं।

इस मिश्रण से पूरे घर में पोंछा लगाएं।

फिर घर में गुग्गल की धूप जलाएं।

इस उपाय से घर का वातावरण शुद्ध और सकारात्मक हो जाता है और परिवार के बीच प्रेम और सामंजस्य बढ़ता है।

नाग पंचमी न केवल पूजा–पाठ का दिन है, बल्कि यह आध्यात्मिक साधना और जीवन की समस्याओं से मुक्ति पाने का भी अवसर है। सच्चे मन से नाग देवता की पूजा करने से जीवन में सुख–शांति, धन–वैभव और आध्यात्मिक संतुलन बना रहता है। सावन माह और नाग पंचमी का लाभ उठाएं और इन उपायों से अपने जीवन को सकारात्मक दिशा दें।

# खून देते ही क्यों आने लगते हैं चक्कर? जानिए वजह

रक्तदान एक बहुत ही पुण्य और महत्वपूर्ण कार्य है, जिससे कई लोगों की जान बचती है। लेकिन अक्सर रक्तदान के दौरान या उसके तुरंत बाद कुछ लोगों को चक्कर आने, हल्का महसूस होने या कभी–कभी बेहोशी तक आ सकती है। यह आम समस्या है और ज्यादा चिंता की बात नहीं होती। आइए जानें कि ऐसा क्यों होता है और इसे कैसे रोका जा सकता है।

खून देने के बाद चक्कर आने की मुख्य वजहें

ब्लड प्रेशर में अचानक गिरावट

जब आपका शरीर लगभग आधा लीटर खून देता है, तो शरीर में खून की कुल मात्रा कम हो जाती है। इससे रक्तचाप गिर सकता है। अगर दिमाग तक पर्याप्त खून और ऑक्सीजन नहीं पहुंचता, तो चक्कर आना या हल्का महसूस होना स्वाभाविक है।

घबराहट या तनाव (वेसो–वैगल रिएक्शन)

कुछ लोग सुई या खून देखकर डर जाते हैं। इससे शरीर की एक नस (वेसो–वैगल) सक्रिय हो जाती है, जो दिल की धड़कन को धीमा कर देती है और ब्लड प्रेशर गिरा देती है। परिणामस्वरूप चक्कर आ सकते हैं या बेहोशी हो सकती है।

शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन)

अगर रक्तदान से पहले आपने पर्याप्त पानी नहीं पिया है, तो आपके शरीर में पानी कम होगा। खून का एक बड़ा हिस्सा पानी होता है, इसलिए पानी की कमी से ब्लड प्रेशर और गिर सकता है और चक्कर आने लगते हैं।

जल्दी उठना या ज्यादा हिलना–डुलना

रक्तदान के तुरंत बाद अगर आप तेजी से खड़े हो जाते हैं या ज्यादा हिलते–डुलते हैं, तो ब्लड प्रेशर में अचानक बदलाव हो सकता है। शरीर को नई खून की मात्रा के

अनुसार खुद को एडजस्ट करने में थोड़ा समय लगता है।

चक्कर आने से बचने के आसान उपाय

रक्तदान से पहले खूब पानी पिएं: रक्तदान से कम से कम 24 घंटे पहले और खासकर दिन में पर्याप्त मात्रा में पानी या जूस पिएं, ताकि आपका शरीर हाइड्रेटेड रहे।

संतुलित और पौष्टिक भोजन करें: रक्तदान के दिन खाली पेट न जाएं। आयरन से भरपूर हरी सब्जियां, दालें, और सूखे मेवे खाएं ताकि आपकी ऊर्जा बनी रहे।

शांत रहें और घबराएं नहीं: अगर सुई या खून देखकर डर लगता है, तो आंखें बंद करके गहरी सांस लें और खुद को शांत रखने की कोशिश करें। रक्तदान केंद्र का स्टाफ आपकी मदद भी कर सकता है।

रक्तदान के बाद आराम करें: खून देने के बाद कम से कम 10–15 मिनट तक बैठें या लेटें। तुरंत उठने की कोशिश न करें।

हल्का नाश्ता जरूर लें: रक्तदान के बाद आपको आमतौर पर जूस और बिस्कुट दिए जाते हैं। इसे जरूर लें ताकि आपका ब्लड शुगर और पानी का स्तर ठीक रहे।

धीरे–धीरे उठें: जब उठने को कहा जाए, तो धीरे–धीरे उठें और पहले कुछ समय के लिए खड़े ही रहें, फिर चलना शुरू करें। इससे चक्कर आने का खतरा कम हो जाता है। रक्तदान एक नेक काम है, लेकिन इससे पहले और बाद में कुछ सावधानियां बरतनी जरूरी होती हैं ताकि चक्कर या अन्य दिक्कतें न हों। पर्याप्त पानी पीना, सही खाना खाना, आराम करना और मानसिक रूप से तैयार रहना आपके लिए मददगार रहेगा। यदि फिर भी कोई असुविधा हो तो तुरंत डॉक्टर या रक्तदान केंद्र के स्टाफ को सूचित करें।

अगर आप भी रक्तदान करने जा रहे हैं, तो ये बातें जरूर याद रखें और स्वस्थ रहें!

# पिंपल्स की समस्या से बचने के लिए फॉलो करें ये स्किन केयर रूटीन, ऑयली स्किन से भी मिलेगा छुटकारा

वैसे तो पिंपल्स की समस्या कभी भी आ सकती है, लेकिन खासकर यह समस्या तब होती है, जब आपकी स्किन ऑयली होती है। ऑयली स्किन के कारण त्वचा के पोर्स बंद हो जाते हैं, जिसकी वजह से पिंपल्स से जुड़ी समस्या पैदा हो सकती है। इस दौरान अगर सही तरीके से स्किन केयर रूटीन फॉलो न किया जाए, तो यह समस्या ज्यादा बढ़ सकती है। यह समस्या न हो, इसके लिए कुछ बातों का खास ध्यान रखना जरूरी होता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको पिंपल्स की समस्या से बचने के लिए कुछ जरूरी बातें बता रहे हैं, जिनको फॉलो करने से पिंपल्स की समस्या से बचा जा सकता है।

चेहरे को धोने से पहले जरूर करें ये काम

कई महिलाएं पिंपल्स की समस्या से बचने के लिए बाहर से आते ही फेस धोने लगती है। ऐसा करने से यह समस्या बढ़ सकती है। इससे बचने के लिए फेस धोने से पहले उसको टिश्यू पेपर की सहायता से साफ करें। फिर कुछ समय रुककर फेस वॉश से चेहरा धोएं।

बार–बार न करें फेसवॉश

अगर आप अपने फेस को बार–बार पानी से धोती हैं, साथ ही इस दौरान फेस वॉश का इस्तेमाल करती हैं, तब भी यह समस्या आ सकती है। इसलिए चेहरे को बार–बार धोने से बचना चाहिए। आप सुबह और शाम के समय फेस वॉश के मदद से चेहरा धोएं।

मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल न करना

ऑयली स्किन होने पर स्किन को नमी की जरूरत पड़ती है। हालांकि कई महिलाएं मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल नहीं करती है। ऐसे में यह समस्या पैदा हो सकती है। इसलिए आप ऐसी मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें, जो जेल–बेस्ड या फिर ऑयल फ्री मॉइश्चराइजर हो।

ज्यादा स्क्रब का न करें इस्तेमाल

पोर्स में जमा गंदगी को साफ करने के लिए स्क्रब करना चाहती हैं, तो अधिक स्क्रब का इस्तेमाल करती हैं। ऐसे में स्किन को नुकसान हो सकता है और सप्ताह में 1 दिन ही स्क्रब का इस्तेमाल करना चाहिए।

तरह–तरह के प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल

अगर आप तरह–तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करती हैं, तो पिंपल्स की समस्या आ सकती है। इसलिए इस बात का ध्यान रखें कि त्वचा के मुताबिक ही प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना चाहिए।

इन बातों का रखें ख्याल

सबसे पहले फेस को अच्छे से क्लीन करें।

सही मॉइश्चराइजर का इस्तेमाल करें।

फिर सनस्क्रीन जरूर अप्लाई करें।

आप कम से कम मेकअप का इस्तेमाल करें।

सप्ताह में 3 दिन फेस मास्क का इस्तेमाल करना चाहिए।

## संक्षिप्त

### एशियन पेंट्स ने एक्जो नोबेल में अपनी पूरी हिस्सेदारी 734 करोड़ रुपये में बेची

पेंट्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एशियन पेंट्स ने बुधवार को ड्यूलक्स पेंट बनाने वाली एक्जो नोबेल इंडिया में अपनी पूरी 4.42 प्रतिशत हिस्सेदारी खुले बाजार के लेनदेन के माध्यम से 734 करोड़ रुपये में बेच दी। इस तरह एशियन पेंट्स अब एक्जो नोबेल से पूरी तरह बाहर निकल गई है। एशियन पेंट्स ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने "एक्जो नोबेल इंडिया लिमिटेड में अपने सभी 20,10,626 इक्विटी शेयर बेच दिए हैं, जो उसकी चुकता शेयर पूंजी का 4.42 प्रतिशत है।" कंपनी ने बताया कि यह बिक्री थोक सौदा प्रणाली के माध्यम से 3,651 रुपये प्रति शेयर की दर से की गई। पिछले महीने सज्जन जिंदल की जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने नीदरलैंड की पेंट विनिर्माता एक्जो नोबेल की भारतीय इकाई का 12,915 करोड़ रुपये के सौदे में अधिग्रहण करने की घोषणा की थी। इसके साथ ही जेएसडब्ल्यू देश में पेंट उद्योग में चौथी सबसे बड़ी कंपनी बन जाएगी। जेएसडब्ल्यू पेंट्स 8,986 करोड़ रुपये में एक्जो नोबेल इंडिया में 74.76 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी और खुले बाजार से 3,929.06 करोड़ रुपये तक में 25 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए खुली पेशकश लाएगी। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, एशियन पेंट्स ने गुरुग्राम स्थित एक्जो नोबेल इंडिया में 20,10,626 शेयर बेचे, जो 4.42 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। शेयरों का निपटान औसतन 3,651 रुपये प्रति शेयर की दर से किया गया, जिससे लेनदेन का मूल्य 734.08 करोड़ रुपये हो गया।

### 'एक्स' की सीईओ लिंडा याकारिनो ने पद से इस्तीफा दिया

अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की अगुवाई वाले सोशल मीडिया मंच 'एक्स' की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) लिंडा याकारिनो ने अपने पद से हटने की बुधवार को घोषणा की। याकारिनो ने 'एक्स' पर अपनी एक पोस्ट में सीईओ पद से हटने की जानकारी दी। वह दो साल तक इस पद पर रही हैं। उन्होंने कहा, ''अभी सबसे अच्छा आना बाकी है क्योंकि एक्स,

चौटबॉट ग्रोक बनाने वाली कृत्रिम मेधा कंपनी एक्सएआई के साथ एक नया अध्याय शुरू कर रही है।'' मस्क ने अनुभवी विज्ञापन कार्यकारी याकारिनो को मई, 2023 में इस सोशल मीडिया कंपनी का सीईओ नियुक्त किया था। उन्होंने वर्ष 2022 के अंत में ट्विटर को 44 अरब डॉलर में खरीदा था जिसके बाद इसका नाम बदलकर 'एक्स' कर दिया गया था। मस्क ने उस समय कहा था कि याकारिनो की भूमिका मुख्य रूप से कंपनी के व्यावसायिक संचालन पर केंद्रित होगी, जिससे वह खुद उत्पाद डिजाइन और नईप्रौद्योगिकी पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे।

### स्टारलिंक की भारत में धमाकेदार एंट्री, क्या अब बिना नेटवर्क के भी होगी कॉलिंग, चलेगा इंटरनेट

दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक को भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस शुरू करने की अंतिम नियामक मंजूरी मिल गई है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स ने सूत्रों के हवाले से ये दावा किया कि अंतरिक्ष नियामक एजेंसी इन–स्पेस ने हरी झंडी दे दी है। स्टारलिंक तीसरी कंपनी है, जिसे भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सर्विस ऑपरेट करने का लाइसेंस मिला है। इससे पहले ईयूटेलसेट वनवेब और रिलायंस

जियो को मंजूरी मिली थी। यह सेवा मंजूरी आठ अप्रैल से पांच साल की अवधि के लिए या जनरेशन 1 समूह के परिचालन जीवन की समाप्ति तक, जो भी पहले हो, के लिए वैध है।

स्टारलिंक जेन1 कॉन्स्टेलेशन

सेवाओं का क्रियान्वयन निर्धारित नियामकीय प्रावधानों और संबंधित सरकारी विभागों से अपेक्षित मंजूरी, अनुमोदन और लाइसेंस के अधीन है। स्टारलिंक जेन1 कॉन्स्टेलेशन एक वैश्विक मंडल है जिसमें 4,408 उपग्रह 540 किलोमीटर से 570 किलोमीटर की ऊंचाई पर पृथ्वी का चक्कर लगा रहे हैं। यह भारत में लगभग 600 गीगावाट प्रति सेंकंड 'जीबीपीएस' की क्षमता प्रदान करने में सक्षम है। स्टारलिंक 2022 से ही वाणिज्यिक परिचालन शुरू करने के लिए भारतीय बाजार पर नजर गड़ाए हुए थी। स्टारलिंक पिछले महीने, यूटेलसैट वनवेब और जियो सैटेलाइट कम्युनिकेशंस के बाद भारत में उपग्रह आधारित इंटरनेट सेवाएं प्रदान करने के लिए दूरसंचार विभाग (डीओटी) से लाइसेंस प्राप्त करने वाली तीसरी कंपनी बन गई। हालांकि, जिन कंपनियों को लाइसेंस मिल चुका है, उन्हें वाणिज्यिक उपग्रह संचार स्पेक्ट्रम के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा, क्योंकि भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने हाल ही में मूल्य निर्धारण और नियम व शर्तों पर अपनी सिफारिशें सरकार को विचार करने के लिए भेजी हैं।

# भारत ने चौथे टी20 में इंग्लैंड को छह विकेट से हराया, सीरीज में 3–1 की अजेय बढ़त बनाई

मैनचेस्टर। भारतीय महिला टीम ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में इंग्लैंड को छह विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम इंडिया ने पांच मैचों की सीरीज भी अपने नाम कर ली। भारत ने सीरीज में 3–1 की अजेय बढ़त बना ली है। इस सीरीज का आखिरी मुकाबला 12 जुलाई को बर्मिंघम में खेला जाएगा। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 126 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने 17 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत ने पहला टी20 97 रन से और दूसरा टी20 24 रन से जीता था। इसके बाद इंग्लैंड ने तीसरा टी20 पर पांच रन से अपने नाम किया था। श्रीचरणी (2/30) और राधा यादव (2/15) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने चौथे महिला टी20 में इंग्लैंड को सात विकेट पर 126 रन के स्कोर पर रोक दिया। सोफी एक्लेस्टन (16') और ईसी वांग (11') ने अंतिम ओवर में 16 रन नहीं बनाए होते तो मेजबानों की हालत और भी बुरी होती। दोनों ने दीप्ति शर्मा के ओवर में एक–एक छक्का लगाया। श्रीचरणी ने तीसरे ओवर में ही डैनी वायट (5) को आउट कर दिया। शीर्ष स्कोरर सोफिया डंकले 22 रन बनाकर दीप्ति का शिकार बनीं। ब्यूमांट (20) और एलिस कैप्सी (18) ने 35 रन की साझेदारी की, लेकिन राधा यादव ने अपनी गेंदबाजी से इंग्लैंड को बड़े स्कोर से रोक दिया। भारत की ओर से राधा ने चार ओवर में 15 रन देकर दो विकेट झटके। इसके अलावा श्री चरणी ने चार ओवर में 30 रन देकर दो विकेट झटके। अमनजोत कौर और दीप्ति शर्मा को एक–एक विकेट मिला। जवाब में भारत को स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने अच्छी शुरुआत दिलाई। टीम इंडिया को पहला झटका 56 के स्कोर पर लगा। शेफाली 19 गेंद में छह चौके की मदद से 31 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, मंधाना ने 31 गेंद में पांच चौके की मदद से 32 रन की पारी खेली। कप्तान हरमनप्रीत कौर 25 गेंद में तीन चौके की मदद से 26 रन और अमनजोत कौर दो गेंद में दो रन बनाकर आउट हुईं। जेमिमा रॉड्रिग्स ने फिर ऋचा घोष के साथ मिलकर भारतीय टीम को जीत दिला दी। जेमिमा 22 गेंद में 24 रन बनाकर नाबाद रहें। वहीं, ऋचा सात रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड की ओर से चार्लोट डीन, सोफी और इसी वॉन्ग को एक–एक विकेट मिला।

## 'हम आगे भी बड़ी उपलब्धि हासिल करना चाहते हैं', इंग्लैंड को धूल चटाने के बाद बोलीं राधा

मैनचेस्टर। अपनी स्पिन गेंदबाजी से भारत की इंग्लैंड के खिलाफ महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय सीरीज में ऐतिहासिक जीत में अहम भूमिका निभाने वाली बाएं हाथ की स्पिनर राधा यादव ने कहा कि टीम कोई बड़ी उपलब्धि हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध थी। बाएं हाथ की स्पिन जोड़ी राधा (2/15) और श्री चरणी (2/30) तथा अनुभवी दीप्ति शर्मा (1/29) ने मिलकर पांच विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड की टीम चौथे मैच में सात विकेट पर 126 रन ही बना सकी। भारत ने 17 ओवर में लक्ष्य हासिल करके पांच मैचों की सीरीज में 3–1 की अजेय बढ़त बना ली। राधा ने मैच के बाद कहा, श्इस बार का विश्वास और समर्पण वाकई अलग है। मुझे पहले के बारे में तो नहीं पता, लेकिन इस बार टीम का माहौल बहुत शानदार है और हम आगे भी बड़ी उपलब्धि हासिल करना चाहते हैं।श बाएं हाथ की स्पिनर ने कहा कि हालांकि टीम को अभी भी कुछ क्षेत्रों में सुधार करना है, लेकिन वह हर हाल में दबदबा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, श्दबदबा बनाकर खेलना ऐसा रास्ता है जिस पर हम जाना चाहते हैं। हम जानते हैं कि अभी हमें कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की जरूरत है लेकिन यह अलग टीम है जो हावी होकर खेलना चाहती है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में खेले गए चौथे टी20 मुकाबले में इंग्लैंड को छह विकेट से हरा दिया। इस सीरीज का आखिरी मुकाबला 12 जुलाई को बर्मिंघम में खेला जाएगा। पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 126 रन बनाए थे। जवाब में भारतीय टीम ने 17 ओवर में चार विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। भारत ने पहला टी20 97 रन से और दूसरा टी20 24 रन से जीता था। इसके बाद इंग्लैंड ने तीसरा टी20 पर पांच रन से अपने नाम किया था।

# भारत के पहले बैटिंग हीरो हैं सुनील गावस्कर, आज मना रहे 76वां जन्मदिन

भारतीय क्रिकेट के श्लिटिल मास्टरश सुनील गावस्कर आज यानी की 10 जुलाई को अपना 76वां जन्मदिन मना रहे हैं। वह विश्व के महानतम बल्लेबाजों में शुमार हैं। पूर्व कप्तान ने उस दौर में कई बेहतरीन और शानदार पारियां खेली। उस समय क्रिकेट के मैदान पर तेज गेंदबाजों का दबदबा हुआ करता था। लेकिन फिर भी सुनील गावस्कर को आउट करने में गेंदबाजों को पूरी ताकत झोंकनी पड़ जाती थी। तो आइए जानते हैं उनके जन्मदिन के मौके पर सुनील गावस्कर के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और परिवार

मुंबई में 10 जुलाई 1949 को सुनील गावस्कर का जन्म हुआ था। जन्म के बाद उनसे मिलने के लिए परिवार के कई लोग आए थे। जिसमें उनके काका भी शामिल थे। काका ने गावस्कर के कान के पास एक बर्थमार्क देखा था। लेकिन जब अगले दिन काका हॉस्पिटल पहुंचे, तो उन्होंने जिस बच्चे को गोद में उठाया उसके कान पर वह निशान नहीं था। इस पर काका परेशान हो गए और हंगामा कर दिया। फिर पूरे हॉस्पिटल के बच्चे चेक किए गए और गावस्कर मछुआरे की पत्नी के पास मिले। दरअसल, नर्स ने उनको गलती से मछुआरे की पत्नी को दे दिया। बच्चों को नहलाने के समय बच्चे बदल गए।




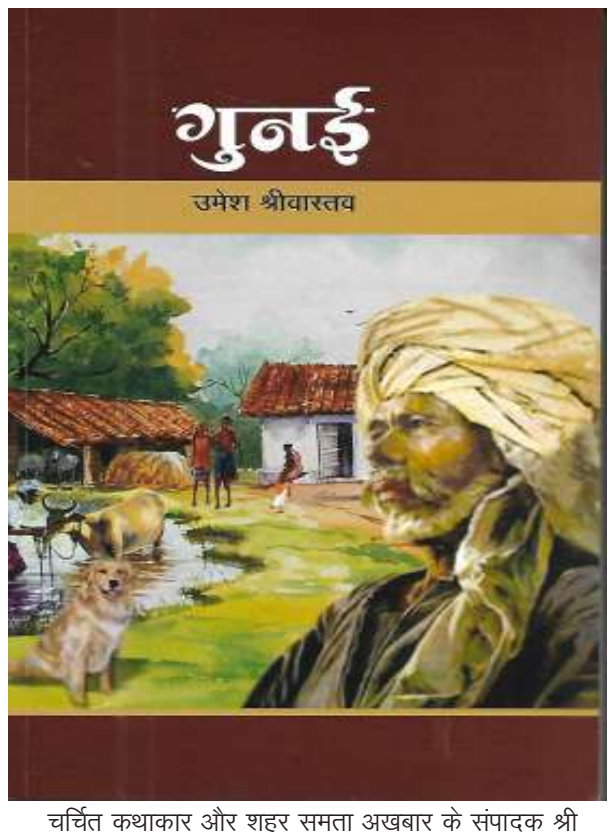


चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

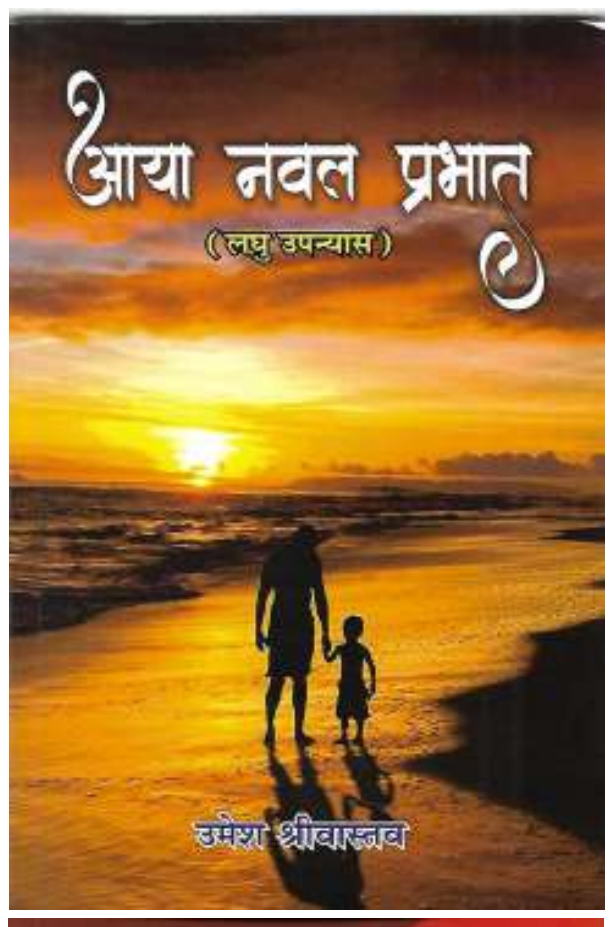


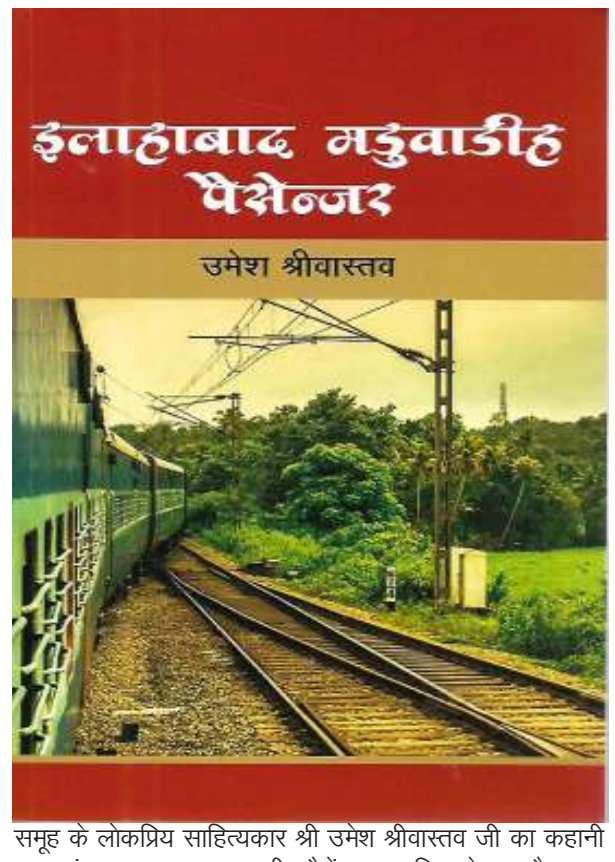


समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

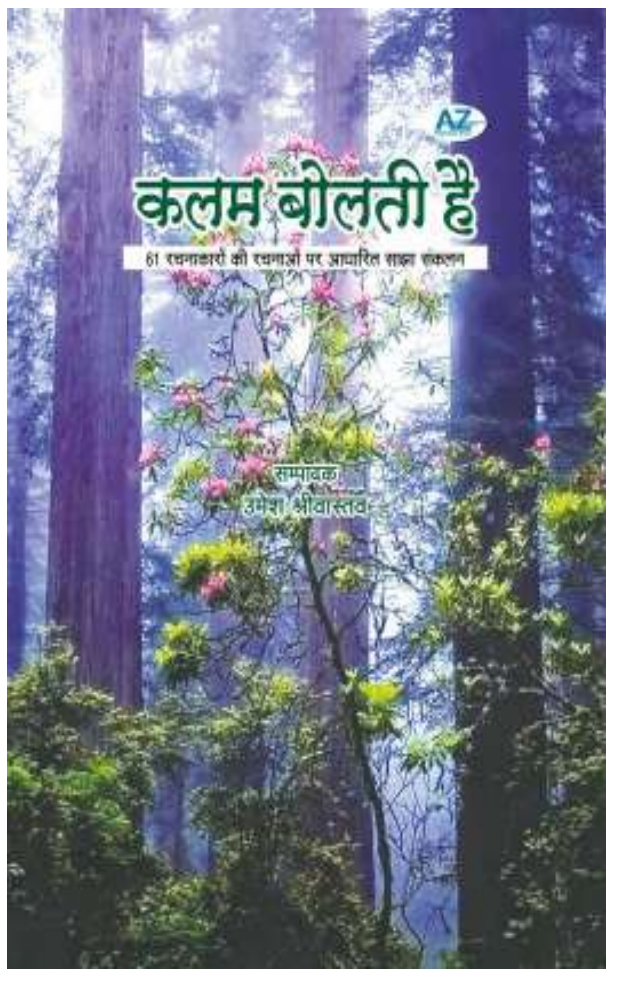


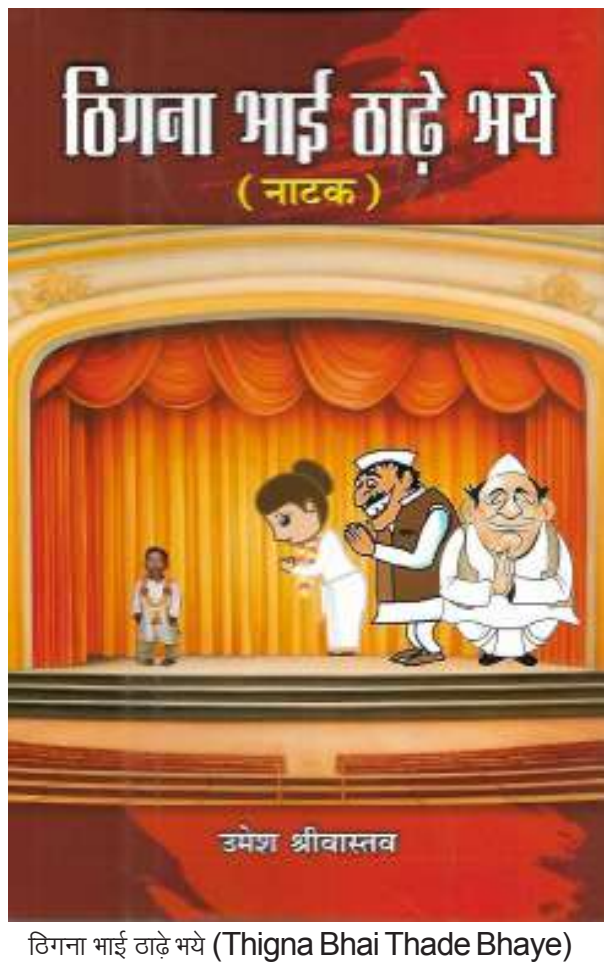


ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

# चीन और तुर्कीये ने पाकिस्तान एयर फोर्स को जमकर सराहा, भारत के लिए नई सुरक्षा चुनौती बना तीन दुश्मनों का 'त्रिकोण'

भारत बार–बार कहता रहा है कि हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को चीन और तुर्किये से हर तरह का समर्थन मिला था। लेकिन ये तीनों ही देश इससे इंकार करते रहे हैं लेकिन अब चीन और तुर्किये ने पाकिस्तान के साथ सैन्य समन्वय की घोषणा करके और पाकिस्तानी वायुसेना की तारीफों के पुल बांध कर यह साफ कर दिया है कि वह भारत के लिए एक समन्वित चुनौती पेश करने में जुट गये हैं। हम आपको बता दें कि पाकिस्तान वायुसेना को चीन और तुर्किए के वरिष्ठ रक्षा अधिकारियों से जोरदार प्रशंसा मिली है। बीजिंग और अंकारा से यह "ट्विन एंडोर्समेंट" न केवल पाकिस्तान की सैन्य क्षमताओं की मान्यता है, बल्कि भारत के प्रति गहराते पश्चिमी समर्थन के मुकाबले एक संतुलन बनाने का प्रयास भी प्रतीत होता है। हम आपको बता दें कि बीते सप्ताह इस्लामाबाद में पाकिस्तान एयर हेडक्वार्टर पर चीन के पीएलए एयरफोर्स प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल वांग गांग और तुर्किए के रक्षा मंत्री यासर गुलर ने PAF की रणनीति, नेतृत्व और संचालन क्षमता की प्रशंसा की। यह एक असामान्य कूटनीतिक समन्वय था जिसमें दोनों देशों ने पाकिस्तान की मल्टी–डोमेन ऑपरेशन्स की रणनीति को सराहा, पीएएफ के एआई–ड्रिवन टारगेटिंग सिस्टम और साइबर–इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर क्षमताओं की सराहना की और PAF के JF-17 Block III फाइटर जेट की सामरिक दक्षताओं में गहरी रुचि दिखाई। चीन ने इसे टेक्स्टबुक उदाहरण बताया, जबकि तुर्किए ने इसे राष्ट्रीय संप्रभुता की निर्णायक रक्षा के रूप में वर्णित किया। यह टिप्पणी उस समय आई जब भारत ने इन संघर्षों में किसी भी प्रकार की हवाई क्षति से इंकार किया था। ऐसे में यह बाहरी प्रशंसा पाकिस्तान के सैन्य नैरेटिव को बल देती है। साथ ही यह घटनाक्रम तब हो रहा है जब भारत अमेरिका, फ्रांस और इज़राइल के साथ अपने रक्षा सहयोग को तेजी से बढ़ा रहा हैकृ जैसे कि राफेल डील, जॉइंट ड्रोन प्रोजेक्ट्स और इंटेलिजेंस साझेदारी। वहीं दूसरी ओर, चीन और तुर्किए दक्षिण एशिया में एक सामरिक संतुलन के रूप में पाकिस्तान को समर्थन देकर अपनी उपस्थिति मजबूत कर रहे हैं। जैसे तुर्किए ने ड्रोन तकनीक, पायलट प्रशिक्षण और एयरोस्पेस सहयोग में तेजी लाने के लिए इंडस्ट्री–टू–इंडस्ट्री कार्य समूह बनाने का प्रस्ताव दिया वहीं चीन ने च्।थ् की रणनीति को पीएलएएएफ के लिए मॉडल मानने की इच्छा जताई। यह परोक्ष रूप से एक विकल्पीय सामरिक धुरी की ओर संकेत करता हैकृ जो भारत की बढ़ती सामरिक शक्ति को संतुलित करने का प्रयास कर रही है। इस सैन्य सहयोग के समानांतर, पाकिस्तान और तुर्किए ने द्विपक्षीय व्यापार को +5 बिलियन तक बढ़ाने, कराची में तुर्की विशेष आर्थिक क्षेत्र की स्थापना और इस्तांबुल–तेहरान–इस्लामाबाद ट्रेन के पुनरुद्धार पर सहमति जताई। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने तुर्किए को षविश्वसनीय मित्र और भरोसेमंद भाईष् बताया जो पाकिस्तान की कूटनीति में स्पष्ट झुकाव को दर्शाता है। च्।थ् की प्रशंसा के निहितार्थों को देखें तो आपको बता दें कि भारत के खिलाफ सैन्य संघर्ष में भले ही वास्तविकता कुछ और हो लेकिन चीन और तुर्किए का समर्थन उसे कूटनीतिक राहत प्रदान करता है। इसके अलावा ।ए, साइबर वॉरफेयर, ड्रोन तकनीक जैसे क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धा और तेज होगी। देखा जाये तो चीन और तुर्किए द्वारा पाकिस्तान वायुसेना की प्रशंसा और रणनीतिक सहयोग की पेशकश केवल सैन्य सहयोग नहीं, बल्कि सैन्य–कूटनीतिक संदेश हैकृ विशेषकर भारत को। यह घटनाक्रम दर्शाता है कि दक्षिण एशिया की सुरक्षा राजनीति बहुपक्षीय बनती जा रही है, जिसमें हर कदम का असर न केवल सीमाओं पर, बल्कि वैश्विक मंचों पर भी देखा जाएगा। पश्चिमी सीमा पर दबावदृ पाकिस्तान के साथ चल रही लगातार सीमा झड़पों को अब चीन और तुर्किये का अप्रत्यक्ष समर्थन मिलने लगा है, जिससे च्।थ् की आक्रामकता और आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है। उत्तरी सीमा पर चीन का बढ़ता दुस्साहसदृ अरुणाचल और लद्दाख क्षेत्र में चीन की घुसपैठ की संभावना इस गठजोड़ से और बढ़ सकती है, जिससे भारत को दो मोर्चों पर तत्परता बनाए रखनी होगी। कूटनीतिक छवि निर्माण की लड़ाई तुर्किये की साझेदारी के कारण पाकिस्तान को अब OIC, अफ्रीकी और मध्य एशियाई मंचों पर कूटनीतिक समर्थन मिलने की संभावना बढ़ गई है, जो भारत की वैश्विक साख को चुनौती दे सकता है। विश्लेषकों का मानना है कि यह त्रिपक्षीय रणनीति केवल रक्षा सहयोग नहीं, बल्कि एक वैकल्पिक एशियाई शक्ति केंद्र की परिकल्पना है जो भारत की पश्चिमी देशों के साथ बढ़ती नजदीकियों का संतुलन बनाना चाहता है। हम आपको बता दें कि भारत की आर्थिक और सामरिक वृद्धि से चिंतित होकर चीन दक्षिण एशिया में श्प्रॉक्सी इंफ्लुएंसश बनाना चाहता है।

**प्रतापगढ़ ब्यूरो**
**शरद कुमार श्रीवास्तव**
**7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़**

## संक्षिप्त

### दक्षिण कोरिया की अदालत ने पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल की गिरफ्तारी को मंजूरी दी

दक्षिण कोरिया की एक अदालत ने दिसंबर में 'मार्शल लॉ' लागू करने से संबंधित आरोपों पर पूर्व राष्ट्रपति यून सूक येओल की गिरफ्तारी को मंजूरी दे दी है। अदालत ने विशेष अभियोजक के इस दावे को स्वीकार कर लिया है कि यून द्वारा साक्ष्य नष्ट करने का खतरा है। अप्रैल में संवैधानिक अदालत ने यून पर चलाये गये महाभियोग को बरकरार रखा जिसके बाद उन्हें राष्ट्रपति पद से हटा दिया गया था। वह अब चार महीने बाद सियोल के समीप एक हिरासत केंद्र लौट रहे हैं। सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने जनवरी में उनकी गिरफ्तारी को रद्द कर दिया था जिसके बाद मार्च में उन्हें इस केंद्र से रिहा कर दिया गया। इससे उन्हें हिरासत में लिए बिना विद्रोह के मुकदमे का सामना करने की अनुमति मिल गई। यून का आपराधिक मामला अब एक विशेष अभियोजक द्वारा देखा जा रहा है, जो उनके निरंकुश रवैये के संबंध में अतिरिक्त आरोपों की जांच कर रहे हैं। इन आरोपों में सत्ता का दुरुपयोग, सरकारी दस्तावेजों में हेराफेरी और सरकारी कर्तव्यों में बाधा डालना आदि शामिल है। यून के वकीलों ने उनकी गिरफ्तारी के अनुरोध को अनावश्यक बताते हुए कहा कि इसके पक्ष में सबूत नहीं हैं।

### ट्रंप ने सात और देशों को शुल्क पत्र भेजे, लेकिन बड़े अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों को नहीं भेजे गए

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को सात छोटे अमेरिकी व्यापारिक साझेदारों को शुल्क पत्र भेजे और अन्य देशों पर आयात कर की घोषणा बाद में करने का वादा किया। जिन देशों के लिए शुल्क पत्र भेजे गये हैं उनमें से कोई भी अमेरिका का बड़ा औद्योगिक प्रतिद्वंद्वी नहीं है। ये देश फिलीपीन, ब्रुनेई, मॉल्डोवा, अल्जीरिया, लीबिया, इराक और श्रीलंका हैं। यह इस बात का संकेत है कि खुले तौर पर 'शुल्क' (टैरिफ) शब्द के प्रति अपने लगाव का इजहार करने वाले एक राष्ट्रपति अब भी इस विचार से मोहित हैं कि व्यापार पर कर लगाने से अमेरिका में समृद्धि आएगी। अधिकतर आर्थिक विश्लेषणों में कहा गया है कि शुल्क से मुद्रास्फीति का दबाव बढ़ेगा और आर्थिक विकास में कमी आएगी, लेकिन ट्रंप ने करों का उपयोग प्रतिद्वंद्वियों और सहयोगियों दोनों पर अमेरिका की कूटनीतिक और वित्तीय शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए किया है। उनका प्रशासन वादा कर रहा है कि आयात पर कर लगाने से व्यापार असंतुलन कम होगा, शुक्रवार को उनके द्वारा हस्ताक्षरित कानून से कर कटौती लागत में से कुछ की भरपाई होगी तथा अमेरिका में कारखानों में नौकरियों की वापसी होगी।

### नामीबिया की यात्रा समाप्त कर प्रधानमंत्री मोदी स्वदेश रवाना

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को नामीबिया की अपनी यात्रा समाप्त कर स्वदेश रवाना हो गए। इस यात्रा के दौरान उन्होंने नामीबियाई संसद के संयुक्त सत्र को संबोधित किया। नामीबिया उनकी पांच देशों की यात्रा का अंतिम पड़ाव था। विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, घाना, त्रिनिदाद टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की अत्यधिक सार्थक और सफल यात्रा संपन्न हुई। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री मोदी नयी दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं। यह मोदी की नामीबिया की पहली यात्रा थी तथा भारत के किसी प्रधानमंत्री की यह तीसरी नामीबिया यात्रा थी।

### रुबियो मलेशियामें करेंगे रूसी विदेश मंत्री से मुलाकात

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और रूस के उनके समकक्ष बृहस्पतिवार को मलेशिया में मुलाकात करेंगे। यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब मॉस्को के यूक्रेन पर बढ़ते हमलों और संघर्ष विराम को लेकर रूसी राष्ट्रपति की गंभीरता पर सवाल उठ रहे हैं और रूस तथा यूक्रेन के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। रुबियो और रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव कुआलालंपुर में मुलाकात करेंगे, जहां दोनों दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) के क्षेत्रीय मंच के वार्षिक सम्मेलन में भाग ले रहे हैं। यह सम्मेलन आसियान के सभी 10 सदस्यों और रूस, चीन, जापान, दक्षिण कोरिया, यूरोपीय देशों और अमेरिका सहित उनके सबसे महत्वपूर्ण कूटनीतिक साझेदारों को एक मंच पर लाता है। यह बैठक ऐसे समय में होने जा रही है जब अमेरिका ने यूक्रेन को रक्षात्मक हथियारों की कुछ आपूर्ति फिर से शुरू की है। इससे पहले यह आपूर्ति रोक दी गई थी और मॉस्को ने इसका स्वागत किया था। हथियारों की आपूर्ति फिर से शुरू होने के साथ ही रूस ने यूक्रेन पर हवाई हमले तेज कर दिए हैं और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रति नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं।

### यूक्रेन रूस युद्ध अफ्रीका पर आर्थिक और भू–राजनीतिक दबाव बढ़ा रहा

यूक्रेन में रूस के जारी सैन्य हमले का अफ्रीका पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है, जिससे अनाज और ईंधन जैसी आवश्यक वस्तुओं की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हो रही है और कीमतें बढ़ रही हैं। इस संघर्ष ने महाद्वीप पर भू–राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को और बढ़ा दिया है, क्योंकि रूस अक्सर निजी सैन्य कंपनियों के माध्यम से अपने सैन्य और राजनयिक प्रभाव का विस्तार कर रहा है, जबकि पश्चिमी शक्तियाँ इस विस्तार का मुकाबला करने का प्रयास कर रही हैं। अफ्रीकी देश इस जटिल परिस्थिति से विभिन्न प्रतिक्रियाओं के साथ निपट रहे हैं।

**आवश्यकता है**

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

# सब कुछ शांत था, तभी चीन–पाक–बांग्लादेश का भारत के खिलाफ खतरनाक खेल

### सीडीएस अनिल चौहान का बड़ा खुलासा, अलर्ट पर मोदी

पाकिस्तान भारत के खिलाफ बेहद घिनौनी साजिश रच रहा है। इसका खुलासा खुद भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टॉफ ने किया है। सीडीएस अनिल चौहान की तरफ से जो बातें कही गई हैं। वो बेहद चौंकाने वाली हैं। पाकिस्तान सिर्फ अकेला ही नहीं चीन और बांग्लादेश मिलकर भारत को किस तरह टारगेट किया जाए इससी साजिश बुन रहे हैं। सीडीएस अनिल चौहान एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने पाकिस्तान की परतें खोलने का काम किया। पाकिस्तान पिछले पांच सालों में कितने हथियार चीन से ले चुका है। इन हथियारों के जरिए क्या रणनीति इन देशों के द्वारा बनाई जा रही है, जो भारत के लिए खतरनाक हो सकती है। सीडीएस अनिल चौहान ने साफ और सटीक शब्दों में कहा कि बांग्लादेश, चीन और पाकिस्तान का एक साथ आना भारत के लिए खतरे का संकेत हो सकता है। भारत वैसे तो पाकिस्तान को हर मुहाने पर लगातार मुंहतोड़ जवाब दे रहा है। चीन सीधे तो आकर भारत से पंगे नहीं ले रहा है। लेकिन पाकिस्तान के कंधे पर बंदूक रखकर भारत के खिलाफ चलाने की पूरजोड़ कोशिश में लगा हुआ है। चीन भारत के खिलाफ पाकिस्तान को तैयार करने की कोशिश में लगा हुआ है। पाकिस्तान को कैसे पूरी ताकत के साथ खड़ा किया जाए, इसमें चीन लगा हुआ है और ताबड़तोड़ हथियार उसकी तरफ से इस्लामाबाद को मुहैया कराए जा रहे हैं। सीडीएस चौहान ने कहा कि पाकिस्तान सालों से भारत के खिलाफ साजिश को अंजाम देता रहा है और इसमें चीन की भी भूमिका रही है। पाकिस्तान और चीन का एक–दूसरे से मिलना भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है पाकिस्तान को पिछले पांच सालों में 70 से 80 प्रतिशत हथियार और उपकरण चीन से मिले हैं। हिंद महासागर क्षेत्र के देशों का आर्थिक संकट उन्हीं के लिए दिक्कत बन सकता है। इसकी वजह से बाहरी शक्तियों ने अपना प्रभाव बढ़ाने का मौका हासिल कर लिया है। इसका असर भारत पर भी हो सकता है दक्षिण एशिया में सरकारों के बार–बार बदलने के साथ भू–राजनीतिक समीकरण और वैचारिक दृष्टिकोण भी बदल रहा है, जो कि एक और अहम चुनौती है।

## अब नई मुसीबत में फंसी शेख हसीना, मानवता के विरुद्ध अपराध मामले में तय हुए आरोप

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना पर गुरुवार को मानवता के विरुद्ध अपराध के मामले में औपचारिक रूप से अभियोग लगाया गया। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने शेख हसीना पर मानवता के विरुद्ध अपराध के आरोप स्वीकार करते हुए उन पर अभियोग लगाया है। यह आरोप पिछले वर्ष एक बड़े पैमाने पर हुए विद्रोह के संबंध में लगाया गया था जिसमें सैकड़ों छात्र मारे गए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि न्यायमूर्ति गुलाम मुर्तुजा मोजुमदार की अध्यक्षता वाले तीन सदस्यीय पैनल ने शेख हसीना, पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान और पूर्व पुलिस प्रमुख चौधरी अब्दुल्ला अल–मामून पर पांच आरोप लगाए।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

**शहर समता**

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।